



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग 1—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

12/11/88

सं० 252] नई दिल्ली, बुधवार, नवम्बर 24, 1988/अग्राहायणा 3, 1910
No. 252] NEW DELHI, THURSDAY, NOVEMBER 24, 1988/AGRAHAYANA 3, 1910

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वाणिज्य मंत्रालय

(आयात व्यापार नियंत्रण)

सार्वजनिक सूचना सं. 79 आई टी सी (पी एन)/88-91

नई दिल्ली, 24 नवम्बर, 1988

विषय :— आन्ध्र प्रदेश राज्य विद्युत बोर्ड (ए पी एस ई बी) की श्री
सेलम लेफ्ट बैंक पावर स्टेशन परियोजना (फेस-1) के
कार्यान्वयन के लिए 26.101 बिलियन येन के ओ.ई.सी.
एफ. (विदेशी आर्थिक सहयोग निधि) ऋण सं. आई.सी.
पी.-43 के अन्तर्गत उपस्कर/सेवाओं के आयात हेतु लाइ-
सेंसिंग शर्तें।

काष्ठ सं. आई पी सी/23/(50)/88-91 :—आन्ध्र प्रदेश राज्य
विद्युत बोर्ड (ए पी एस ई बी) की श्री सेलम लेफ्ट बैंक पावर स्टेशन
परियोजना (फेस-1) के कार्यान्वयन के लिए 26.101 बिलियन येन के/
ओ.ई.सी.एफ. ऋण सं. आई.सी.पी.-43 के अन्तर्गत उपस्कर/
सेवाओं के आयातों को शासित करने वाली शर्तें जो इन सार्वजनिक

सूचना के परिशिष्ट में दी गई है, जानकारी के लिए अधिसूचित की जा
रही है।

ह/-

के.पी. इन्दीराया, मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

वाणिज्य मंत्रालय की सार्वजनिक सूचना सं. 79-आई.टी.सी.
(पी एन)/88-91, दिनांक 24-11-88 का परिशिष्ट

जापान की विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (ओ.ई.सी.एफ.) द्वारा प्रदान
किए गए आन्ध्र प्रदेश राज्य विद्युत बोर्ड (ए पी एस ई बी) को श्री सेलम
लेफ्ट बैंक पावर स्टेशन परियोजना फेस-1 के लिए येन 26.101 बिलियन
के येन फंडिट के अन्तर्गत उपस्कर और सेवाओं के आयात के संबंध में
लाइसेंस शर्तें

खण्ड-1 सामान्य शर्तें

1 (1) आन्ध्र प्रदेश राज्य विद्युत बोर्ड की श्री सेलम लेफ्ट बैंक
पावर स्टेशन परियोजना (फेस-1) की आयात आवश्यकता को वित्तदान
करने के लिए जापान की विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (ओ.ई.सी.
एफ.) द्वारा प्रदान किया गया 26.101 बिलियन येन का ऋण जापान

और विकासशील देशों जिनमें भारत भी शामिल है के लिए खुला है। गदगुगर एम फ्रेडिट के अधीन अधिप्राप्त की जाने वाली वस्तुएं और सेवाएं जापान और अनुबंध-1 की सूची में उद्धृत सभी देशों से आयात की जा सकती है। ये देश एम ऋण के अंतर्गत पात्र खान देश होंगे।

1(2) फ्रेडिट के अधीन केवल उन्नीस सदों और उनीस मूल्य के लिए लाइसेंस जारी किए जा सकते हैं जिनके लिए महानिदेशालय, तकनीकी विभाग/पंजीगत माल समिति द्वारा विशेष रूप से नितासी कर दी गई हो। एम फ्रेडिट के अधीन जारी किए गए आयात लाइसेंस (सी) येन का मूल्य 28.711 बिलियन (तागत-बीमा-भाड़ा) येन में अधिक नहीं होना चाहिए।

आयात लाइसेंस का रूप में मूल्य राजस्व विभाग (बीमा/गुणक) द्वारा अधिसूचित विनियम दर और आयात लाइसेंस जारी करने की तिथि को प्रचलित दर और आयात लाइसेंस जारी करने की तिथि को प्रचलित दर और मूल्य नियंत्रक, आयात-निर्गत द्वारा जारी की गई सार्वजनिक सूचना सं. 78-आईटीसी (पीएन)/74, दिनांक 6 जून, 1974 के पैरा-2 के अनुसार आयात लाइसेंस में सकेतिक दर पर निर्धारित किया जाएगा, जिसमें यह उल्लेख है कि सौभाग्यपूर्ण प्राधिकारी और विदेशी मुद्रा के प्राधिकृत व्यापारी आयात लाइसेंस (सी) में विनिर्दिष्ट मुद्रा विनियम दर पर लाइसेंस मूल्य के नाम डालेंगे। लाइसेंस पर एक शीर्षक "जापानी येन ऋण सं. आईटीपी-43" होगा। प्रथम और द्वितीय प्रत्येक के लिए लाइसेंस में "एम/जेसी" कोड होगा। पश्चिमी बंगाल राज्य विद्युत बोर्ड को लाइसेंस भेजने समय मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्गत के पत्र में भी इसे दुहराया जाएगा। जिसका एक प्रति वित्त मंत्रालय आर्थिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग) का पुराटालित की जानी चाहिए।

1(3) तागत-बीमा-भाड़ा के आधार केवल आन्ध्र प्रदेश राज्य विद्युत बोर्ड के नाम से लाइसेंस जारी किया जा सकता है।

1(4) आयातक की सुविधा पर विचार करते हुए एक से अधिक आयात लाइसेंस फ्रेडिट के अधीन जारी किए जा सकते हैं। लेकिन कुल मूल्य 28.711 बिलियन तागत बीमा भाड़ा येन से अधिक नहीं होना चाहिए जैसा कि ऊपर पैरा (2) में कहा गया है।

1(5) आयात लाइसेंस की वैधता में आयातक द्वारा आवेदन करने पर 12 महीनों की और यात्रे की अवधि के लिए वृद्धि दी जा सकती है। आगे और वृद्धि करने के लिए/नया आयात लाइसेंस जारी करने के लिए यदि कोई आवेदन हो तो उसे आर्थिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग) को भेजा जाना चाहिए।

1(6) फ्रेडिट के अधीन वित्तदान किए जाने वाले आयात/निर्गत लाइसेंस प्राधिकारी द्वारा विधिवत स्थापित संलग्न माल और सेवाओं की सूची तक प्रतिबंधित है।

1(7) विदेशी मुद्रा के किसी भी परेषण की अनुमति आयात लाइसेंस के प्रति नहीं दी जाएगी। भारतीय अधिकर्ता के कमीशन के प्रति कोई भी भुगतान भारतीय अधिकर्ता को भारतीय रुपये में किया जाना चाहिए। लेकिन ऐसे भुगतान लाइसेंस मूल्य के हो भाग होंगे और लाइसेंस पर ही प्रभावित किए जाएंगे।

1(8) उसके आदेश अनुबंध-1 में उल्लिखित देशों में स्थित विदेशी संभरणों को अज्ञात पर निशुल्क लागत बीमा भाड़ा के आधार पर दिए जाने चाहिए और य आयात लाइसेंस जारी होने की तिथि से 4 महीनों की अवधि के भीतर आर्थिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग) को भेज दिए जाने चाहिए। बीमा प्रभाव का भुगतान भारतीय रुपये में भारत में देय होगा। "एकके आदेशों" का अर्थ भारतीय लाइसेंसधारी द्वारा दिए गए उन रूप आदेशों से है जो विदेशी संभरण द्वारा विधिवत हस्ताक्षरित हों या भारतीय आयातक और विदेशी संभरण द्वारा विधिवत हस्ताक्षरित कथ संविदा हो। विदेशी संभरणों के भारतीय अधिकर्ताओं के आदेश या ऐसे भारतीय अधिकर्ताओं द्वारा पुष्टिकरण आदेश स्वीकार्य नहीं है।

1(9) चार महीनों की अवधि के भीतर ठेकों को इस शर्त का तब तक अनुपालन किया गया नहीं समझा जाएगा जब तक कि ठेके के पूर्ण वस्तावेज आयात लाइसेंस जारी होने की तिथि से चार महीने के भीतर वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग डब्ल्यू ई-1 अनुभाग को नहीं पहुंच जाते हैं। यदि उपर्युक्त पैरा 1(8) में यथा उल्लिखित उसके आदेश चार महीनों के भीतर वैध कारणों से जहां दिए जा सकते हैं तो चार महीनों के भीतर आदेश नहीं दिए जा सकते। इन कारणों का उल्लेख करने हुए लाइसेंसधारी को आयात लाइसेंस को संबंध लाइसेंस प्राधिकारी को प्रस्तुत कर देना चाहिए। आदेश देने की अवधि में बढ़ि के लिए ऐसे आवेदनों पर लाइसेंस प्राधिकारियों द्वारा पात्रता के आधार पर विचार किया जाएगा। वे शर्तों में अधिक चार महीनों की और अवधि में दिए वृद्धि प्रदान कर सकते हैं। लेकिन यदि वृद्धि इस लाइसेंस के जारी होने की तिथि से 8 महीनों से अधिक के लिए मांगी जाती है तो ऐसे प्रस्ताव निराश्रय रूप से लाइसेंस प्राधिकारियों द्वारा वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग), तार्थ व्याक, नई दिल्ली को भेजे जाएंगे जो कि ऐसी वृद्धि के लिए प्रत्येक मामले की पात्रता के आधार पर विचार करेंगे और अपना निर्णय लाइसेंस प्राधिकारियों को भेजेंगे। जिसको य लाइसेंसधारी को प्रेषित करेंगे। लाइसेंसधारी द्वारा लाइसेंस प्राधिकारियों से केवल ऐसी वृद्धि प्राप्त करने वाला एक पत्र प्रस्तुत करने पर ही प्राधिकृत व्यापारी और विभागीय पराधिकारी आयात लाइसेंस के अधीन किए गए संभरण ठेकों में बैंक गारंटी माह-पत्र स्थापित करने के लिए प्राधिकृत पत्र मूल्य कट्या जमा करने आदि भी स्वीकृति की सुविधाओं की अनुमति देगा।

1(10) आयात लाइसेंस की समाप्ति से चार महीने के भीतर सभी भुगतान पूर्ण कर देने चाहिए। माल के पाननदान पर अवग-अवग भुगतानों की व्यवस्था होनी चाहिए। ठेके में नकद आधार पर अर्थात् पाननदान दातावेजों के प्रस्तुत करने पर भुगतान की व्यवस्था होनी चाहिए। विदेशी संभरण से भारतीय आयातक को किसी भी किस्म की ऋण सुविधा उपलब्ध करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। माल के निरक्षण की अवधि के लिए ठेके में निम्नलिखित व्यवस्था होनी चाहिए :-

"माह-पत्र की प्राप्ति के बाद-----महीने परन्तु अधिक से अधिक-----के अन्त तक पूर्ण किया जाना है।

पाननदान के लिए आखिरी तिथि निर्दिष्ट करने में इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि वह तिथि 31-12-1992 के बाद की न हो।

ऊपर-2 संभरण ठेके का समझौता करने समय ध्यान में रखी जाने वाली विशेष बातें

2(1) ठेके का जहाज पर्यंत निशुल्क लागत बीमा भाड़ा मूल्य येन में (येन की भित्त के बिना) यावश्यक होना चाहिए और इसमें भारतीय अधिकर्ता का कमीशन यदि कोई हो तो वह शामिल नहीं होना चाहिए जो कि भारतीय रुपये में चुकाना चाहिए।

भारतीय रुपये या किसी अन्य मुद्रा में, ठेके का मूल्य किसी भी परिस्थिति में अतिव्यक्त नहीं होना चाहिए। रूप आदेश और संभरण का पुष्टिकरण आदेश केवल अंग्रेजी में होना चाहिए।

2(2) ऋण की रकम से वित्त पोषित किए जाने वाले सभी माल और खान ऋण के अंतर्गत अधिप्राप्ति के लिए मांग दर्शन बिन्दुओं के प्रयोग निम्नलिखित सम्पूर्ण शर्तों के साथ किए जाएंगे :-

(क) कम से कम 500 मिलियन येन के अनुमानित मूल्य के माल और सेवाओं/सामानों की अधिप्राप्ति के मामले में :-

(1) यदि पूर्व अहर्ता सहित औपचारिक खुली अन्तर्राष्ट्रीय निविदा से भिन्न अधिप्राप्ति किया/वधि अवतारों का प्रस्ताव है तो अधिप्राप्ति की पद्धति के अनुमानित के लिए ओ ई सी.एफ. को आवेदन पत्र प्रस्तुत करने जाये एवं अनुमोदन प्राप्त किया जाएगा।

(2) सकल बोलीकार को निर्णय का नोटम जारी करने से पहले बोली मूल्यांकन रिपोर्ट सहित निर्णय के अनुमोदन के लिए आवेदन पत्र ओ.ई.सी. एक. को प्रस्तुत किया जाएगा। निर्णय और बोली मूल्यांकन के अनुमोदन के लिए उपर्युक्त आवेदन पत्र के साथ-साथ पूर्वप्रवर्तकों की मूल्यांकन रिपोर्ट, बोलीकारों को दिए गए नोटिस और अनुदेश, बोली प्रकट, प्रस्तावित ठेका विनिर्दिष्टकरण और ड्राइंग और बोली से संबंधित अन्य दस्तावेज ओ.ई.सी.एफ. को भी पुनरीक्षा के लिए प्रस्तुत किए जाएंगे।

(ख) 500 मिलियन येन से कम अनुमानित मूल्य के मान और सेवाओं की अधिप्राप्ति के मामले में ठेके के निर्णय के लिए ओ.ई.सी.एफ. के पूर्व अनुमोदन की इस शर्त पर आवश्यकता नहीं है कि निविदा की श्रेणी उचित रूप से विभाजित की गई हो। लेकिन यदि ओ.ई.सी.एफ. अनुरोध करें तो निविदा मूल्यांकन रिपोर्ट आदि उसको पुनरीक्षा के लिए प्रस्तुत की जाएगी।

(ग) परामर्शदाताओं को नियोजित किया जाएगा परन्तु उसका नियोजन श्री. ई. सी. एक. के मार्गदर्शी सिद्धान्तों के अनुसार किया जाएगा। परन्तु निम्नलिखित प्रलेखों के सम्बन्ध में श्री. ई. सी. एक. के पूर्व अनुमति प्राप्त कर ली जाएगी।

- (1) विचारार्थ मंटे
- (2) परामर्शदाताओं के संक्षिप्त सूचं
- (3) निमंत्रण पत्र
- (4) सारांश मूल्यांकन नोट सहित मूल्यांकन रिपोर्ट।

(घ) आयातक उपर्युक्त (1) (क), (2) (ख) और (ग) में उल्लिखित आवेदन पत्र दस्तावेज आर्थिक कार्य विभाग वा वा प्रतियों में प्रस्तुत करेंगे जो उनके द्वारा श्री. ई. सी. एक. को भेजे जाएंगे।

2(3) विदेशी संभरक को भुगतान, उसके नाम से भारतीय बैंक, टोकियो द्वारा 1987-88 के लिए श्री. ई. सी. एक. वन फ्रेडिट (परियोजना महायन्त्र) स. आई डा. पी-43 के अधिन आये गए अधिन-वर्तनय साख्यपत्र के माध्यम से किया जाना चाहिए। जिसका बीगन नोच ब्रण्ड-2 से दिया गया है।

2(4) आयातक-समेक के प्रति केवल एक ही संविदा की जायी चाहिए। लेकिन कुछ विशेष मामलों में एक से अधिक संविदा करने का अनुमति भी दी जा सकता है। जिसके लिए आयातक वाइलस जारी होने की तिथि के तुरन्त बाद दिए मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग (आयात अनुभाग) से अनुमोदन प्राप्त कर लेना चाहिए।

2(5) संभरक का पात्रता--संभरक पात्र स्वतंत्र देशों के राष्ट्रिक होना या पात्र स्वतंत्र देशों में शामिल किए गए तथा वंजोद्धत किए गए पात्र स्वतंत्र देशों के राष्ट्रिका द्वारा जातिता वेध व्यक्ति हो।

2(6) अपात्र स्वतंत्र देशों से अनुसंध आयात--जिन वस्तुओं में अपात्र स्वतंत्र देशों से बनी हुई सामग्री निहित है, उनका आयात किया जा सकता है बशर्ते कि निम्नलिखित सूत्र के अनुसार ऐसे उत्पादों का एक का मूल्य मन्वार् आधार पर आयोजित भाग का 50% से कम हो:

आयातित लागत बीमा भाड़ा मूल्य-आयात शुल्क

----- X 100

संभरक का अज्ञात पर निगुलक मूल्य

(भारतीय संभरकों के संरक्ष में एक फ्रेडिट मूल्य अपनाया जायेगा)

2(7) संविदा में घोषणा--प्रत्येक संविदा में संभरक द्वारा मान एवं संभरक का पात्रता और संभरक के हस्ताक्षर और तारीख से निम्न-लिखित घोषणा जोड़ी जाएगी:-

"मैं, अधोहस्ताक्षरी, एतद्द्वारा प्रमाणित करता हूँ कि संभरित किया जाने वाला मान ----- (संभरित पात्र स्वतंत्र देश का नाम) में उत्पन्नित है।"

"मैं अधोहस्ताक्षरी आगे यह प्रमाणित करता हूँ कि मेरे पूरी जानकारी और विश्वास के अनुसार अपात्र स्वतंत्र देशों से आयोजित भाग निम्नलिखित सूत्र के अनुसार 30 प्रतिशत से कम है:-

आयातित लागत बीमा भाड़ा मूल्य+आयातक शुल्क

----- X 100

संभरक का अज्ञात पर निगुलक मूल्य

(जहां एक फ्रेडिट मूल्य लागू हो)

मैं, अधोहस्ताक्षरी, एतद्द्वारा प्रमाणित करता हूँ कि----- (पात्र स्वतंत्र देश का नाम) में----- (कम्पनी का नाम) रमाविष्ट और वंजोद्धत हो चुकी है और पात्र स्वतंत्र देशों के राष्ट्रिकों द्वारा नियोजित है।"

खण्ड-3 संभरण ठेकों में समविष्ट को जाने वाली शर्तें

3(1) संभरण ठेकों में निम्नलिखित प्रावधान विशेष रूप से समाविष्ट होने चाहिए।

(क) ठेके की व्यवस्था भारत सरकार और जापान की विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (आई सी एफ) के बीच श्री. वनम जेपट बैंक पावर स्टेशन परियोजना (फेम-1) के लिए येन फ्रेडिट स. आई डा. पी-43 (परियोजना महायन्त्र से संबंधित) 10 फरवरी, 1988 को हुए ऋण समझौते के अनुसार होनी चाहिए और यह भारत सरकार और विदेशी आर्थिक सहयोग निधि के अनुमोदन के अधिन होगा।

(ख) संभरण को भुगतान, भारत सरकार और जापान, विदेशी आर्थिक सहयोग निधि ओ.ई.सी.एफ. के बीच येन फ्रेडिट स. आई डा. पी-43 से संबंधित 10 फरवरी, 1988 को हुए ऋण समझौते के अधिन बैंक आक टोकियो टोकियो द्वारा जारी किए जाने वाले अधिवर्तनय साख्यपत्र के माध्यम से किए जाएंगे।

(ग) संभरक ऐसी सूचना और दस्तावेजों को प्रस्तुत करने के लिए सहमत होगा जो एक और भारत सरकार द्वारा और दूसरी और श्री. ई. सी. एक. द्वारा येन ऋण के अधिन अपेक्षित हो।

(घ) (6) में उल्लिखित प्रपत्र में प्रमाणपत्र (तोन प्रतियों में)।

(ङ) यदि किसी मामले में संभरक जापान में स्थित हो तो संभरक संविदा के संबंध में एक भार होनी चाहिए कि जापानी संभरक भारतीय दूतावास, टोकियो के परामर्श पर पोन परिरहन व्यवस्था करने के लिए सहमत है और इस उद्देश्य के लिए यह भारतीय दूतावास, टोकियो को, शामिल मान को सुवुर्द्धों के कार्यन्वय में अवगत कराया और पात्रत्वान से कम से कम 15 गप्ताह पूर्व भारतीय दूतावास को सूचना देगा जिससे कि उचित व्यवस्था हो सके। विशेष मामलों में, जहां भारतीय आयातक इच्छुक हो, सूचना को इस अवधि को कम किया जा सकता है। जापानी संभरक को प्रत्येक पोतवदान के परवाना आवश्यक ब्यौर देना होगा, तारसे सूचना भोजन के लिए सहमत होना चाहिए और उसी एत प्रति भारतीय दूतावास, टोकियो को भेजा जाना चाहिए।

खण्ड-4 प्रो ई सी एक द्वारा ठेके का पुनरीक्षा

4(1) साइसेसधारी को पक्के आदेश देने के लिए निर्धारित अवधि के भीतर दूर संचार विभाग और विदेशी संभरकों दोनों द्वारा विविध हस्ताक्षरित ठेके की चार प्रतियाँ जो विदेशी संभरकों द्वारा निश्चित में पुष्टि आदेश के साथ ही या उनके हर प्रकार से पूर्ण कोटो प्रतियाँ संग्रहित आयातक साइसेस को दो कोटो प्रतियाँ सहित और परिशिष्ट-2 के प्रपत्र में "प्राधिकार पत्र" जारी करने के लिए आवेदन का दो प्रतियाँ आर्थिक कार्य विभाग को भेजने चाहिए।

4(2) उपर्युक्त क्रियाविधि सभी ठेकों के लिए और ठेकों की विषय वस्तु के लिए अनिवार्य आशीर्षकों के कारण संशोधनों या उनके कामों पर भी लागू होंगे।

4(3) वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग) ठेके का एक प्रति के साथ ठेके के निर्णय का नोटिस प्रो ई सी एक की पुनरीक्षा के लिए भेजेगा। ठेके के निर्णय के नोटिस और ठेके का एक-एक प्रति आर्थिक कार्य विभाग द्वारा भारतीय दूतावास टोकियो की और आयात लाइसेंस की कोटो कापी और "प्राधिकार पत्र" जारी करने के लिए आवेदन का एक प्रति के साथ सी ए ए एण्ड ए के कार्यालय को भेजेगा।

खण्ड-6 विदेशी संभरकों को भुगतान-मात्र पत्र किया बिधि

5(1) वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग से ठेके के निर्णय का नोटिस और ठेके के दस्तावेज प्राप्त होने पर सहायता लेखा तथा लेखा परीक्षा नियंत्रक, बैंक आफ इंडिया को टोकियो शाखा को सर्वोच्चतम मन्त्र अनुबन्ध-3 में दिए गए प्रपत्र में एक प्राधिकार पत्र जारी करेगा जिसमें बैंक आफ इंडिया को टोकियो शाखा मन्त्र विदेशी संभरक के नाम में मन्त्र अनुबन्ध-4 (आयातों के लिए) के प्रपत्र में या अनुबन्ध-5 (सेवाओं के लिए) के प्रपत्र में एक अपरिवर्तनीय साक्ष्यपत्र जालेगा। प्राधिकार पत्र का प्रतियाँ प्रो ई सी एक भारतीय दूतावास, टोकियो, आर्थिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय को पुष्टीकृत की जाएगी।

5(2) प्राधिकार पत्र मिलने पर, भारतीय बैंक, टोकियो अनुबन्ध-4 (वास्तविक आयातों के लिए लागू होता है) या अनुबन्ध-5 (सेवाओं के लिए लागू होता है) के अनुसार संबंधित विदेशी संभरकों के नाम में अपरिवर्तनीय साक्ष्यपत्र को स्थापना करेगा और उसका एक प्रति विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (प्रो ई सी एक) भारतीय दूतावास टोकियो में आयातक के बैंक और सहायता लेखा एवं परीक्षा नियंत्रक को भी भेजेगा।

सी. ए. ए. एण्ड ए. से प्राधिकार पत्र के आधार पर साक्ष्यपत्र खर्चों के लिए उपयुक्त क्रियाविधि संविदा संशोधनों या अन्यथा के लिए आवश्यक समझी जाने वाले ऐसे सभी अधिकार पत्र/साक्ष्यपत्रों के संशोधन पर स्वतः लागू होंगे।

5(3) मात्र का वोलतदान कराने के बाद विदेशी संभरक अपने बैंकों के माध्यम से साक्ष्यपत्र में उल्लिखित दस्तावेज भुगतान के लिए बैंक आफ इंडिया, टोकियो को प्रस्तुत करेगा। बैंक आफ इंडिया, टोकियो दस्तावेजों में उल्लिखित धनराशि को विदेशी संभरक को उनके बैंकों के माध्यम से भिजा करेगा और उसके बाद आयातों को लागत की धनराशि का प्रतिपूर्ति विदेशी आर्थिक सहयोग निधि से प्राप्त करेगा।

5(4) साक्ष्यपत्र खोलने, उसके प्रदान लेन-देन करने और विदेशी संभरक के बैंक के प्रसारण यदि कोई हो तो वे आयातक विदेशी संभरक द्वारा वहन किए जाएंगे। प्रो. ई. सी. एक. ठेके के मूल्य के 1/10 प्रतिशत (0.1 प्रतिशत) के बराबर धनराशि प्राप्त करने पर वचनबद्धता पत्र जारी करेगा। यह धनराशि प्रो. ई. सी. एक. द्वारा स्वयं श्रेण निधियों में से चुकाई जाएगी।

प्रो. ई. सी. एक. या सहायता लेखा नियंत्रक, वित्त मंत्रालय से भुगतान का सूचना प्राप्त होते पर, आयातक को वचनबद्धता पत्र के खर्चों

के तुल्य धनराशि सरकारी लेखों में जमा करनी होगी। प्रो. ई. सी. एक. को भुगतान की तिथि से राधा जमा करने की तिथि तक (दोनों तिथियाँ शामिल करके) ब्याज भी प्रचलित दर पर आयातक द्वारा चुकाया जाएगा।

आयातक द्वारा प्रतिपूर्ति किया बिधि के तहत 0.1 प्रतिशत का इसी प्रकार का खर्चा चुकाया जाता है। आयातकों द्वारा आयातों के लागत के भुगतान की तिथि से प्रो. ई. सी. एक. द्वारा विदेशी संभरक को आयातों का निधि तक का प्रचलित दर पर गणना करके बैंक आफ इंडिया, टोकियो को देय ब्याज प्रभार का भारत सरकार के लेखों को प्रभावित किए बिना सामान्य बैंक प्रणाली के माध्यम से भारत में संबद्ध आयातकों को बैंक द्वारा बैंक आफ इंडिया, टोकियो को धन परेषण करने भुगतान किया जाएगा।

5(5) प्रतिपूर्ति क्रियाविधि--भारतीय संभरकों से मात्र और सेवाओं के वितरण के लिए प्रक्रिया शून्य मातृनी को प्रतिपूर्ति क्रियाविधि के अनुसार होंगे।

खण्ड-6--रकषा निक्षेप करने के लिए उत्तरदायित्व

6(1) बैंक आफ टोकियो संगत प्राधिकार पत्र के परिशिष्ट में संकेतिक अनुसार आयातक के प्राधिकृत बैंकर को पराक्रम्य जहाजरानी दस्तावेज भेजेगा और बैंकर इन बातों सुनिश्चित करेगा कि पोतलान दस्तावेज रिजर्व होने से पहले भारतीय रिजर्व बैंक, नई दिल्ली या भारतीय स्टेट बैंक, लिसा हजारी, दिल्ली में रकषा निक्षेप कर दिया गया है। विदेशी संभरक को किए गए येन भुगतान के समतुल्य रुपये पर ब्याज प्रभार की समय समय पर प्रचलित दर, जो वर्तमान समय में प्रथम 30 दिन के लिए 12 प्रतिशत प्रतिवर्ष है और अधिक अवधि के लिए 18 प्रतिशत प्रतिवर्ष है, पर विदेशी संभरक को बैंक आफ इंडिया, टोकियो द्वारा भुगतान की तिथि से वास्तविक रूप में जमा करने की तिथि तक का हिसाब लगाकर ब्याज सार्वजनिक सूचना सं० 31--आई. टी. सी. (पी. एन.)/83 दिनांक 10-8-1983 के अनुसार मूल भुगतान के साथ-साथ ब्याज प्रभार भी सरकारी लेखों में जमा कराना है यह भी नोट किया जाना चाहिए कि ब्याज दोनों दिनों के लिए अवधि जिस दिन विदेशी संभरक को भुगतान किया जाता है और गिर दिने सरकारी लेखों में रकषा जमा किया जाता है, देय है। देखिए सार्वजनिक सूचना सं. 103--आई. टी. सी. (पी. एन.)/76 दिनांक 12-10-76 और सार्वजनिक सूचना सं. 31 आई. टी. सी. (पी. एन.)/83, दिनांक 10-8-1983 द्वारा संशोधित सार्वजनिक सूचना सं. 74, दिनांक 31-5-74 संभरक को किए जाने वाले भुगतानों की राशि और तारीख का सुनिश्चित करने के लिए आयातक को अवगत से व्यवस्था करनी चाहिए। बैंक आफ इंडिया, टोकियो में आयातक के बैंक द्वारा पोतपरिवहन आदि दस्तावेजों की देरी या गिराव में प्राप्ति को रकषा निक्षेप पर लगने वाले ब्याज की आंशिक या पूर्ण धनराशि को समाप्त करने का कारण नहीं माना जाता है।

विदेशी संभरक को किए गए येन भुगतान के समतुल्य रुपये की गणना करने के लिए अनुमति जाने वाली विनियम की दर भुगतान की तारीख को लागू विनियम की यह भिन्न दर होती जो सार्वजनिक सूचना सं. 109--आई. टी. सी. (पी. एन.)/74, दिनांक 3-8-74 और सं. 8--आई. टी. सी. (पी. एन.)/76, दिनांक 12-1-76 में निर्धारित तरीके अनुसार निश्चित की गई हो जो मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात की सार्वजनिक सूचनाओं के माध्यम से या भारतीय रिजर्व बैंक के मुद्रा विनियम नियंत्रण परिषदों के माध्यम से सरकार द्वारा समय समय पर घोषित की गई हो।

इस सम्बन्ध में और ब्याज की दर के सम्बन्ध में भी जब भी कोई परिवर्तन आवश्यक होगा अधिसूचित कर दिया जाएगा। यह सुनिश्चित करने लिए भारतीय रिजर्व बैंक भी निम्नोदारी होगी कि देय धनराशि आयातकों को आयात दस्तावेज सौंपने से पहले

सरकारी खाते में ठीक प्रकार से जमा कर दी गई है। आयातक को यह सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि देय धनराशि अपने अणुदानों से दस्तावेजों की सुगुंजी लेने से पहले सरकारी खाते में ठीक प्रकार से जमा कर दी गई है। यह सुनिश्चित करने के लिए आयातक की जिम्मेदारी होगी कि देय धनराशि सरकारी खाते में ठीक प्रकार से सुरक्षित जमा कर दी है और ही जब वे विशेष परिस्थितियों के अन्तर्गत सीमाशुल्क प्राधिकारियों से माल की सुगुंजी प्राप्त करते हैं। यदि आयातक सरकार को देय धनराशि के मास की सुगुंजी लेने से पहले जमा नहीं कर पाता तो आगे के लिए उस प्राधिकार पत्र देना बन्द कर दिया जाए और मामले की रिपोर्ट मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात को दी जाए ताकि ऐसे आयातक को आगे और आयात लाइसेंस जारी न किए जाएं। जिस लेखा शीर्ष में उल्लेख किया गया निम्न किया जाएगा वह "के डिपॉजिट एण्ड ऐडवन्स 843" विविध डिपॉजिट-डिपॉजिट फार परसेजिज एट्सट्रा अन्दा परसेजिज अन्डर क्रेडिट/लोन एप्रोमेंट्स, लोन फोम दि गवर्नमेन्ट ग्राफ जापान 26.101 दिविजन येन क्रेडिट न. आई. टी. पी. - 47 फार दी आ सलम लेफ्ट बैंक पाथर स्टेशन प्रॉजेक्ट पेज-1 होना चाहिए।

6(2) ऊपर उल्लिखित धनराशि या तो भारतीय रिजर्व बैंक नई दिल्ली में या स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, तीस हजारी, दिल्ली में चालान के ऊपर दाहिनी ओर कोले में फॉड में 5130000009 का सकेत देने हुए सरकार की सख्त में गार्वजनिक सूचना नं. 184-आई टी. सी. (पी. एन.)/68 दिनांक 30-8-1968, सं. 233-आई टी. सी. (पी. एन.)/68 दिनांक 24-10-68, सं. 132 आई टी. सी. (पी. एन.)/71 दिनांक 5-10-71, सं. 74-आई टी. सी. (पी. एन.)/71 दिनांक 31-5-74 और सं. 103-आई टी. सी. (पी. एन.)/78 दिनांक 12-10-78 में यथा-निर्धारित तरीके से जमा होना चाहिए।

6(3) भारत सरकार, वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग द्वारा ऐसी मांग किए जाने के बाद मात्र दिनों के भीतर भारत में आयातक का संबद्ध बैंक भी ऊपर निर्धारित तरीके से यह अतिरिक्त धनराशि सेवा सख्तों के निमित्त भेजेगा जो वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग) द्वारा मांगी जाए। आयात के विभिन्न कालों को भरने समय आयातकों/उनके बैंकों को इस बात की सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि गार्वजनिक सूचना सं. 132-आई टी. सी. (पी. एन.)/71, दिनांक 5-10-1971 के पैरा 2 में निर्धारित सूचना चालान के मातम "धन परेषण" और प्राधिकारी (यदि कोई हो) के पूर्ण व्योमों में निरूपवाद रूप से निदिष्ट किए गए हैं। खजाना चालान में निम्नलिखित ब्योरे निरूपवाद रूप से प्रस्तुत करने चाहिए :-

(क) वित्त मंत्रालय के प्राधिकार पत्र की सहाय्य और दिनांक

(ख) वेत मुद्रा की वह धनराशि जिसके संबंध में अप-नाई गई परिवर्तन की दर के साथ निक्षेप किए गये हैं।

(ग) विदेशी सन्धक को भुगतान करने की तिथि।

उसके पश्चात् सी. ए. ए. एण्ड द्वारा जारी किए प्राधिकार पत्र का सक्षम देने हुए और बीजक तथा पॉल परिवर्तन दरतावेजों को संलग्न करने हुए खजाना चालान प्रत्या जमा करने का माध्यम देने हुए एकीकृत काउ द्वारा सी. ए. ए. एण्ड ए. को भेजा जाना चाहिए।

टिप्पणी:- भारत में आयातक के बैंक को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि वह या विदेशी भारतीय बैंक टेलिग्राफों की आयातों की सूचना

और अतिरिक्तनीय पॉलिसी दस्तावेज की प्राप्ति के 10 दिनों के भीतर निरूपवाद से किया जाना चाहिए और यह कि उसके तत्पश्चात् सी. ए. ए. एण्ड ए. वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग) नई दिल्ली को सूचना कर दिया जाएगा।

6(4) भारत में सम्बद्ध भारतीय बैंक की लाइसेंस की मुद्रा विनि-मय नियंत्रण प्रति पर गया निक्षेपों की धनराशि या पृष्ठांकन करना चाहिए और अतिरिक्त "एन" प्रवर्त भारतीय रिजर्व बैंक बम्बई को भेजना चाहिए।

अण्ड-7 विविध व्यवस्थाएं

7(1) आयात लाइसेंस के उपयोग करने की रिपोर्ट

आयातक का पॉलिसी और उसके अधीन किए गए भुगतान और शोध धनराशि के बारे में माध्यम खोलने के बाद एक मासिक रिपोर्ट यथायथा सेवा एवं सेवा परीक्षा नियंत्रक, आर्थिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय, ए. सी. आ. बैंक ब्रिटिश सड़क मार्ग, नई दिल्ली को भेजनी चाहिए।

7(2) सन्धकों को विशेष शर्तों के बारे में अधिसूचित करना

लाइसेंसधारी के आयात लाइसेंस में दिए गए किसी उन विशेष उपबंधों में संशोधन का अवसर देना चाहिए जो माल के जाने में संश्रक पर प्रभाव डालने हैं।

7(3) विवाद

यह समझ लेना चाहिए कि लाइसेंसधारी और सन्धकों के बीच कोई विवाद उठेगा तो उसके लिए भारत सरकार कोई उत्तरदायित्व नहीं लेगी। भारतीय बैंक टेलिग्राफों द्वारा किए गए भुगतान से पहले सन्धक द्वारा पूरी की जाने वाली शर्तें अनुबन्ध-2 में "भुगतान की शर्तों" के अन्तर्गत अष्टी तरह से स्पष्ट कर लेना चाहिए। शर्तों की शर्तों में विवाद के निपटान में संबंध व्यवस्थाएं शामिल होंगी चाहिए।

7(4) भविष्य अनुबंध

आयात लाइसेंस या उसके संबंध में उठ खड़े होने वाले किसी मामले या सभी मामलों से संबंधित या अपारती प्राधिकारियों के साथ येन क्रेडिट समझौते (परिचालन सहायता) सं. आई. टी. पी. - 43 के अधीन सभी आयातों को विदेशी आर्थिक सहयोग विधि, आयात (आई. टी. सी. एफ.) के साथ पूर्ण करने के लिए भारत सरकार द्वारा समय-समय पर किए गए निर्देशों या आदेशों का लाइसेंसधारी को मुख्य पालन करना होगा।

7(5) अभिक्रमण या उल्लंघन

उपर्युक्त खण्डों में निर्धारित की नई शर्तों के अतिरिक्त या उल्लंघन करने पर आयात निर्यात नियंत्रण अधिनियम के अधीन उचित कार्यवाही की जाएगी।

7(6) अनुबंधों की सूची

1. अनुबन्ध-1 पाठ स्रोत देशों की सूची।
2. अनुबन्ध-2 प्राधिकार पत्र जारी करने के लिए अनुबंध
3. अनुबन्ध-3 प्राधिकार पत्र का प्रपत्र
4. अनुबन्ध-4 मासपत्र का प्रपत्र (आयातों के लिए लागू)
5. अनुबन्ध-5 मासपत्र का प्रपत्र (रोकाओं के लिए लागू)।

यूनाइटेड अरब एमिरेट (3)
यमन अरब गणराज्य
यमन जनवादी का. डी. आर. (4)

6. दक्षिण एशिया
अफगानिस्तान
बंगला देश
भूटान
नेपा

7. उत्तर पूर्वी एशिया
बर्मा
हांग कांग
खमिर गणराज्य
कोरिया गणराज्य
लाओस
मकाओ
मलेशिया
फिलिपिन्स
मिगापुर
मल्लान
थाइलैण्ड
तिमोर
वियतनाम गणराज्य
वियतनाम जनवादी गणराज्य

9. यूरोप
आइसलैंड
जिब्राल्टर
ग्रीस
कान्टो
मॉन्टे
तुर्की
यूगोस्लाविया

(क-2) ओ. पी. ई. सी. के सदस्य या सहयोगी देश

अल्बानिया
बालिविया
नीबियाई अरब गणराज्य
सैबोन
नाइजीरिया
इक्विटोर
सैन्युयला
ईरान
ईराक
कुवैत
कतर
गाबनी अरब
आबू खाबी
इंडोनेशिया

उपाध-2

8. ओसिनिया
कोक द्वीप समूह
फिजी
शिल्वर्ट और हल्लहम द्वीप
क्रासिम पोलिनेशिया (5)
नारु
न्यू कैलेडोनिया
न्यू हेब्रिडिस (य. और फ.)
नियू
पैसिफिक द्वीप समूह (संयुक्त राज्य) (6)
पापुवा न्यू गिनी
सोलोमन द्वीप समूह (भा.)
टोगा
वालिस और फुतुना
पश्चिमी सानोआ
गालदीप
नेपाल
पीकिस्तान
थाई लैण्ड

प्राधिकार पत्र जारी करने के लिए प्रार्थना पत्र

संख्या

दिनांक

सेवा में,

सहायता लेखा तथा लेखा परीक्षा नियंत्रक,
वित्त मंत्रालय, प्राधिका कार्य विभाग,
यू. सी. ओ. बैंक बिल्डिंग, प्रथम मंजिल,
पालियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली-110001

विषय : येन क्रेडिट सं. आई डी पी. (198-8

के लिए परियोजना सहायता) के अंतर्गत का
आयात ।

महोदय,

ऊपर उल्लिखित येन क्रेडिट सं. आई. डी. पी.
(परियोजना सहायता) के अधीन से को
आयात के सम्बन्ध में (बैंक का नाम) जो
कि यही होना चाहिए, जो नीचे (ड) में सम्बद्ध समुद्रपार संभरक के
नाम में साक्ष्यपत्र खोलने के लिए दिया गया है कि प्राधिकार पत्र
जारी करने के लिए हम आपको निम्नलिखित ब्योरे प्रस्तुत करते हैं:—

(क) भारतीय आयातक का नाम और पता ।

(ख) आयात लाइसेंस की संख्या, दिनांक और मूल्य और वह
तारीख जिस तक वैध है ।

(ग) प्राप्ति के तरीके क्या वह सीधे बय या ओप-
चारिक खुले अन्तर्राष्ट्रीय निविदा पर आयात है । इसके
मामले में यदि कोई कारण हो तो कारण सहित यह संकेतिक
होना चाहिए कि क्या संवदा का निर्णय उद्युक्त न्यूनतम
तयारी की प्रस्ताव के आधार पर किया गया है ।

- (3) अजमन, दुबई, फजाइरत, रात अल खैमाह शरजाह और उम्म
अल क्वैबन ।
- (4) अदन और विभिन्न सल्तनत और जमीरात सहित ।
- (5) सोमायटी आई लैण्ड्स समूह (ताहिती सहित) को शामिल करते
हुए, आस्ट्रल द्वीप समूह, टूपातोटा, जाम्बियार गुप और
मागेमल द्वीप समूह ।
- (6) पैसिफिक द्वीप का ट्रस्ट प्रदेश, कारोलीन द्वीप, मार्शल द्वीप
समूह और मैरिना द्वीप समूह (गाम को छोड़कर)

(घ) मान का संक्षिप्त विवरण।

उपाध्यक्ष-3

(ङ) मान का उद्गम देश।

(प्राधिकार पत्र का प्राप्ति)

(च) यदि कोई हां तो पात्र से इतर स्रोत देशों से आयित संपत्तियों का प्रतिक्षण।

भारत सरकार

वित्त मंत्रालय

प्राधिकार कार्य विभाग

(छ) संविदा का शुल जहाज पर निशुल्क/द्वितीय और भाड़ा मूल्य (येन में)।

नई दिल्ली, दिनांक

(ज) यदि कोई हो तो भारतीय एजेंट के कमिशन की घनराशि (येन में)।

सेवा में,

बैंक आफ इंडिया,

टोकियो शाखा,

टोकियो (जापान)।

(झ) वास्तविक जहाज पर निशुल्क/लाभा और भाड़ा (येन में) जिनके लिए प्राधिकार पत्र मांगा गया है।

विषय :- येन फ्रेडिट (परियोजना सहायता) ऋण करार सं. आई. डी. पी. ----- के अधीन भारत साख्यत खोलने के लिए प्राधिकार पत्र जारी करना।

(ञ) समुद्रार के संभरकों के साथ की गई संविदा की संस्था पत्र दिनांक।

प्रिय, महोदय,

(ट) विदेशी संभरक का नाम, पता और राष्ट्रीयता।

(ड) ये गुणा शा पर संभावित निधियों अंतर्गत संविदा के अन्तर्गत भुगतान देय होंगे।

आपके बैंक के साथ दिनांक ----- को किए गए समझौते की शर्तों के अनुसार आपका एतद्वारा यथा संवतन ब्यांरे के अनुसार सर्वश्री ----- के नाम में ----- येन घनराशि के लिए अपरिबर्तनीय साख्यत खोलने के लिए प्राधिकृत किया जाता है।

(ठ) मुद्रादेशी को पूर्ण करने की प्रत्याशित तिथि।

2 आपके बैंक द्वारा खोले गए प्रत्येक साख्यत की प्रति आयातक के बैंक ऑ. ई. सी. एफ. भारतीय इतावास, टोकियो और हमें पृष्ठांकित की जाए।

(ड) बैंक आफ इंडिया, टोकियो को भुगतान करने समय प्रस्तुत किए जाने वाले दस्तावेज (प्रत्येक सैट की संख्या और उनका निबटारा दिखाने हुए)।

3 साख्यत की शर्तों के अनुसार प्रारम्भ में संभरकों को भुगतान आपकी निधि में किया जाएगा। भुगतान के साथ ओ. ई. सी. एफ. की आवश्यक दस्तावेज भेज कर दिए गए भुगतान की प्रतिकृति का दावा उत्काल करना चाहिए।

(ण) पोतलदान अनुदेश (वाहनान्तरण/वार्ट-शिपट में की अनुमति) की गई है या नहीं स्पष्ट की जाए।

4 विदेशी संभरक को अदायगी करते समय आपके द्वारा ----- (आयातक के बैंक के नाम व पता) मूल पोतलदान दस्तावेज (विनियम), अनिर्विक्त पूर्ण दस्तावेजों के सैट के साथ तथा संभरक को की गई अदायगी का नाम डालने की सूचना उत्काल अदायगी यदि कोई की गई हो, तो उसकी प्रति भेजी जाए।

(त) भारत में आयातक के बैंक का नाम और पता।

(थ) क्या उसी लाइसेंस के अन्तर्गत संविदा (संविदाएं) और की गई हैं और जापानी प्राधिकारियों को अधिपूजित कर दिया गया है, यदि हां तो ऐसे प्रत्येक संविदा की संख्या, दिनांक और मूल्य और वित्त मंत्रालय का वह संदर्भ जिनके अंतर्गत ओ. ई. सी. एफ. को इसे अधिपूजित किया गया है।

5 संभरक को आपके द्वारा किए गए भुगतान की तिथि से ओ. ई. सी. एफ. द्वारा आपको उमकी प्रतिपुति की तिथि तक के बीच के समय के लिए आपको चुकाए जाने योग्य ब्याज प्रभार भारत सरकार के लेख पर प्रभाव डाले बिना सामान्य बैंकिंग स्थलों के माध्यम से भारत में संबद्ध आयातक के बैंक के साथ आपके द्वारा निर्णीत किए जाएंगे। बैंकों के अन्य खर्चें जिनमें साख्यत खोलने, रख-रखाव करने और साख्यतों को आपरेशन करने और सौदा संस्था दस्तावेजों के संचालन में संबंधित और यदि कोई हां तो विदेशी संभरकों के बैंकों के खर्चें भी विदेशी संभरक/आयातक की हां देने पड़े और इसलिए आयातक द्वारा उनका भुगतान नहीं किया जाएगा और इसलिए उन्हें सीधे हां आयातक या संभरकों से प्राप्त किया जाए। इस प्रकार ऐसे भुगतानों की प्रतिपुति का दावा ओ. ई. सी. एफ. से नहीं किया जा सकता है।

(द) क्या साख्यत के संचालन और रख-रखाव के लिए बैंक आफ इंडिया, टोकियो को वेब बैंक खर्चें आयातकों या संभरकों द्वारा वहन किए जाने हैं।

6 जैसे ही आपके द्वारा कोई भुगतान किया जाता है और उसकी प्रतिपुति आपको कर दी जाती है तो उसकी सूचना निर्धारित पत्र में इस मंत्रालय को भेज दी जानी चाहिए।

(प) आयातक द्वारा बचनबद्धता

“हम एतद्वारा सरकार द्वारा निर्धारित तरीके से और हर से विदेशी संभरक को किए गए भुगतान के समस्त कार्य को पूरा और सही जमा करने का बचन देने हैं। प्रत्येक निक्षेप मात्र (आयातित सामग्री) की मुद्रादेशी योपने से पूर्व उत्काल हां घनराशिया जमा कराई जाएं। विदेशी राष्ट्रीयता बाजों की सेवाओं के लिए भुगतानों के मामले में दिए गए उधों ही विदेशी संभरकों के सम्बद्ध बैंक हमारे द्वारा अनुमोदित कर दिए जाएं और संभरकों को भुगतान कर दिया जाए या वे ही घनराशि जमा करा दी जाए।

7 यह प्राधिकार पत्र समुद्र पार संभरकों के नाम में साख्यत खोलने के लिए है। साख्यत के बाद में किए जाने वाले संशोधन या इस प्राधिकार के मद्दे अविव्य में साख्यत इस मंत्रालय से विशेष प्राधिकार प्राप्त किये बिना वैध नहीं होंगे।

3. 42 सी. 10-1971 में ----- तब वैध रहेगा।

9. कृपा इस प्रकार के संबंध में सही प्रकार के पत्र व्यवहार के लिए इन पत्र के शीर्ष में दो गई संख्या का उल्लेख करें।

महोदय,

(लेखा अधिकारी)

प्रति निम्नलिखित को प्रेषित :-

1. प्रायातक ----- को उनके पत्र सं. ---
दिनांक के ----- के संदर्भ में।

उत्तरे प्रत्यक्ष है कि वे बैंकों से विभिन्न दस्तावेजों की द्वितीयरी लेने से पूर्व निर्धारित दर पर और तरीके से अपने बैंकों के माध्यम से रुपया निक्षेप खाति जमा कराने का प्रबंध करें। यदि अपवाद स्वरूप परिस्थितियों के कारण माल की द्वितीयरी सीधे ही सीमाशुल्क और पस्तन प्राधिकारियों से मूल पोत-जान दस्तावेज भेजे बिना ही प्राप्त कर ली जाती है, तो द्वितीयरी लेने से पूर्व ही निक्षेप किए जाने चाहिए। विदेशी राष्ट्रीयों द्वारा दो गई सेवाओं के लिए भुगतान के मामले में जैसे ही संपन्न बीजक भुगतान द्वारा अनुमोदित हो जाए, निक्षेप कर दिए जाएं। निक्षेप जल्दी ही और ठीक से न करने पर साइसेंस की शर्तों में उल्लिखित प्रावश्यक कार्यवाई की जा सकती है।

2(1) प्रायातक के बैंकर ----- यह प्रायात लाइसेंस संख्या ----- दिनांक ----- के संदर्भ में है। यह प्राधिकार पत्र येन केडिट के अंतर्गत प्रभावी प्रायात लाइसेंस शर्तों के बारे में जारी किया गया प्रायात/विदेशी भुगतान करते समय उचित कार्यवाई के लिए साइसेंसिंग शर्तों तथा संबंधित सार्वजनिक सूचना/प्राप्ति प्रादि को देखें।

2(2) उनसे निवेदन किया जाता है कि बैंक आफ इंडिया, टोकियो ब्रांच से दस्तावेज प्राप्त करने पर विदेशी संस्करण को येन भुगतान के बराबर रुपये जमा करने की व्यवस्था करें। संस्करणों को चुकाई गई धनराशि के बराबर रुपये की गणना सार्वजनिक सूचना सं. 8 आई टी सी (पी एन)/76 दिनांक 17-1-76 या अन्य ऐसी ही सार्वजनिक सूचना जो समय-समय पर जारी की जाए के अनुसार विदेशी संस्करणों को भुगतान करने की तिथि को यथा प्रचलित परिवर्तन की निश्चित दर पर की जाएगी। प्रथम 30 दिनों के लिए 12% वार्षिक दर से और इससे अधिक अवधि के लिए 18% वार्षिक दर से व्याज जो कि संस्करण को भुगतान की तारीख बैंक आफ इंडिया को प्रतियुक्ति की तारीख और जिस तारीख को समस्त रुपया भारत सरकार के लेखों में जमा किया जाता है उन दो अवधियों के बीच की अवधि के लिए गिना गया है उसे भी सार्वजनिक सूचना सं. 31-आई टी सी (पी एन)/83, दिनांक 10-8-83 के अनुसार भारत सरकार के लेखों में जमा करना अपेक्षित है। व्याज दोनों दिनों के लिए देय है अर्थात् वह तारीख जिसको विदेशी संस्करण को भुगतान किया जाता है और वह भी तारीख जिसको भारत सरकार के लेखों में रुपया जमा कराया जाता है। (जब भी इस दर में परिवर्तन किया जाएगा उसे सूचित कर दिया जाएगा)। यह सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि प्रायातक को सीमाशुल्क निरासे के लिए प्रायात दस्तावेजों का मूल सेट दिए जाने से पूर्व यह धनराशि जमा की जानी है।

वे धनराशियां या तो भारतीय रिजर्व बैंक, नई दिल्ली या भारतीय स्टेट बैंक, सीस हजारी में बालान के वाहिनी और कोड सं. 5130000009 दर्शाते हुए जमा करनी चाहिए। इस संबंध में उनका ध्यान सार्वजनिक सूचना सं. 184-आई टी सी (पी एन)/68, दिनांक 30-8-68, 233-आई टी सी (पी एन)/ 68, दिनांक 24-10-1968, 132-आई टी सी (पी एन)/71 दिनांक 5-10-1971 सं. 74-आई टी सी (पी एन)/74, दिनांक 31-5-1974 सं. 103-आई टी सी (पी एन)/76 दिनांक 12-10-76 में दिए गए प्रावधानों का जोर दिनाया जाता है। वह लेखा शीर्ष जिसमें

रुपया जमा कराना है, वे "के डिपॉजिट एंड एडवाइज-843-सिबिल डिपॉजिटस - डिपॉजिटस फार परचेजिंग एटसेट्स प्रोड्यूसर परचेजिंग केडिट सोल एप्रोपेट्स" लान फ्राम द गवर्नमेंट आफ जापान ----- विवियन येन केडिट (परियोजना सहायता) सं. आई टी पी फार है।

जिन मामलों में मुख्य रुपया रिजर्व बैंक आफ इंडिया, नई दिल्ली या स्टेट बैंक आफ इंडिया, सीस हजारी में सार्वजनिक सूचना सं. 132-आई टी सी (पी एन)/71, दिनांक 5-10-1971 के अनुसार नकद जमा किया जाता है, उनके बालान की मूल रूप में एक प्रतिलिपि बैंक आफ इंडिया टोकियो शाखा से प्राप्त सूचना टिप्पणी का पूर्ण विवरण देते हुए अप्रैपेण पत्र सहित उनके द्वारा निम्नलिखित पते पर भेजी जाएगी :-

सहायता लेखा तथा लेखा परीक्षा नियंत्रक,

वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग),

पहली मंजिल, यू. सी. ऑ. बैंक बिल्डिंग,

संसद मार्ग, नई दिल्ली - 110001

जिन मामलों में मुख्य रुपया ऊपर संकेतिक सार्वजनिक सूचना दिनांक 24-10-68 में यथा उल्लिखित बर्तनी हुण्डी द्वारा प्रेषित करना है उसकी सूचनाएं उपर्युक्त पते पर भेजी जानी चाहिए। सभी मामलों में, जमा किए गए मुख्य रुपये का पूरा ब्योरा इस विभाग को भेजना चाहिए। संस्करण को भुगतान करने की तिथि और ओ. ई. सी. एफ. द्वारा बैंक आफ इंडिया, टोकियो को उसकी प्रदायगी की तिथि के बीच की अवधि के लिए बैंक सूत्रों के माध्यम से भारत सरकार के लेखों पर प्रभाव डाले बिना बैंक आफ इंडिया, टोकियो के साथ निर्णित किए जाएंगे।

3. निदेशक, ऋण विभाग-2 समग्रवार आर्थिक सहयोग निधि टाका-बासी गोड बिल्डिंग, 4-1 ओहट्टेमेसी-1 चोम, चिनोटा कू, टोकियो 100, जापान।

4. भारतीय रूपाबास, टोकियो

5. अवर सचिव, जापान अनुभाग, वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग, नई दिल्ली।

(लेखा अधिकारी)

उपाबन्ध - 4

प्रपत्र ओ. ई. सी. एफ. एल. सी - 1

अपरिवर्तनीय साखपत्र

(माल के लिए लागू)

दिनांक

सेवा में,

----- यह साखपत्र (ऋणी) और विदेशी आर्थिक सहयोग निधि के बीच हुए ऋण करार संख्या ----- दिनांक के अनुसरण में जारी किया गया है।

महोदय,

हम आपको सूचित करते हैं कि हमने आपके मामले में हमसे निकासे जाने वाले बीजक के पूरे मूल्य के लिए ड्राफ्टों द्वारा उपसब्ध रकम या रकमों के लिए अपरिवर्तनीय साख पत्र सं. ----- छोड़ दिया है जो ----- (अर्थात् येन) की कुल धनराशि में अधिक नहीं है। इसे निम्नलिखित दस्तावेजों के साथ भेजा जाना है :-

इस्ताधारित वाणिज्यिक बीजक, समुद्री पोतलदान बिल जिनमें दिए गए आदेशों का पूरा सेट ही ब्लैक पृष्ठांकित एवं निहित "फ्रेट एवं मोटिकार्ड" अंकित किए हुए ग्रन्थ दस्तावेज।

प्रमाणित पोतलदान (माल के लवान का संक्षिप्त विवरण) संविदा सं. ----- (यदि कोई हो) के संदर्भ में ----- से

आर्थिक पोतलवान स्वीकृत है। वाहनांतरण स्वीकृत है। लयान बिल के साथ की तिथि का नहीं होना चाहिए। ड्राफ्ट तक वातचीत के लिए अवश्य प्रस्तुत किए जाने चाहिए। इस ऋण के अंतर्गत सभी ड्राफ्ट तथा दस्तावेजों पर "अपरिवर्तनीय साक्षपत्र सं. विनांक के अंतर्गत निम्नलिखित गया और ध्यात संवत् सं. (संख्याएं)" (यदि कोई हो) अंकित होना चाहिए।

यह क्रेडिट हस्तांतरणीय नहीं है।

हम एतद्वारा वचन देते हैं कि इन क्रेडिट के अंतर्गत और इसी शर्तों का अनुपालन करके निकालवाए गए सभी ड्राफ्ट प्रस्तुत करने पर और धारकों को दस्तावेजों की सुपुर्गों पर विधिवत स्वीकार किए जाएंगे।

जब तक अन्यथा रूप से विस्तारपूर्वक न बताया जाए कि क्रेडिट 'यूनिफार्म कस्टम एंड प्रेक्टिस फार ड्राफ्ट्स क्रेडिट (1974 रिजोल्व) इन्टरनेशनल बैंक ऑफ कामर्स, पब्लिकेशंस सं. 290" के अधीन है।

सीदा करने वाले बैंक के लिए विशेष अनुदेश :-

1. उपर्युक्त ऋण करार के अंतर्गत जारी किए गए वचन पत्र को व्यवस्थाओं के अनुसार विदेशी आर्थिक सहयोग निधि द्वारा हमारे भुगतान के लिए प्रतिपूर्ति प्राप्त करने के साथ हम वचन देते हैं कि हम सीदा करने वाले बैंक द्वारा जारी किए गए अनुदेशों के अनुसार ऋण की धनराशि को सीटा देंगे।

2. सीदा करने वाले बैंक को यह बताने हुए हम ड्राफ्ट और दस्तावेजों का एक पूर्ण सेट और उसके साथ एक प्रमाणपत्र अवश्य भेजें कि जो दस्तावेज सीधे ही हवाई डाक द्वारा को भेज दिए गए हैं।

3. इन क्रेडिट के अंतर्गत सभी बैंक के खर्चे धारक/संरक्षक के लेखे के लिए हैं।

अधीन,

()

आधिकारिक बैंक

द्वारा

प्रतिष्ठित हस्ताक्षर

भुगतान अनुसूची

यह भुगतान पत्र हमारे पत्रांतर सं. के एक अंग के रूप में है।

1. आधिकारिक भुगतान

धनराशि

कुल संविदा मूल्य का प्रतिशत है।

अपेक्षित दस्तावेज : संरक्षकों का विवरण

आधिकारिक भुगतान तिथि :

2. भुगतान वृद्धि

सम्पूर्ण योग : धनराशि

कुल संविदा का मूल्य

निम्न प्रकार से भुगतान किया जाता है :-

देय धनराशि

आधिकारिक भुगतान तिथि

हमारे हस्ताक्षर, ये

हमारे हस्ताक्षर

अपेक्षित दस्तावेज : (अपेक्षित दस्तावेजों के अंतर्गत अधिकारी) द्वारा जारी किए गए निष्पादन के विवरण की एक प्रति अत्रिका एक प्रपत्र संलग्न है।

उपरोक्त - 5

(पत्र ओ ई सी एफ एन सी - 2)

(अपरिवर्तनीय साक्ष - पत्र)

(विचारों के लिए लागू)

दिनांक

रोका में,

दस्तावेज (अपेक्षित) और विदेशी आर्थिक सहयोग निधि के बीच हुए ऋण करार

सं. विनांक के अनुसंधान में)

(संरक्षक का नाम व पता) जारी किया गया है।

विशेष महत्वपूर्ण,

हम आपकी सूचित करते हैं कि हमारे नाम में निम्नलिखित के लिए पूर्ण थोड़े मूल्य के लिए आधिकारी ड्राफ्ट एवं सहायता उपलब्ध रहम या रकमों के लिए अपने नाम में हमने आधिकारिक साक्षपत्र सं. कोल दिया है जो पत्र (यदि कोई हो) को कुल धनराशि से अधिक नहीं है।

हमें संलग्न भुगतान अनुसूची के अनुसार अपेक्षित (परिपक्वता के संबंध में टेका सं.) से संबंधित दस्तावेजों को सरखी करना है सीदा तब करने के लिए ड्राफ्ट से पहले प्रस्तुत किए जाने चाहिए।

सभी ड्राफ्ट और दस्तावेजों पर "अपरिवर्तनीय क्रेडिट सं. के अंतर्गत भुगतान" लिखा होना चाहिए।

यह क्रेडिट हस्तांतरणीय नहीं है।

हम एतद्वारा वचन देते हैं कि इन क्रेडिट के अंतर्गत इसी शर्तों का अनुपालन करके भुगतान योग्य सभी ड्राफ्ट प्रस्तुत करने पर और धारकों को दस्तावेजों की सुपुर्गों पर विधिवत स्वीकार किये जाएंगे।

जब तक अन्यथा रूप से विस्तारपूर्वक न बताया जाये, यह क्रेडिट 'यूनिफार्म कस्टम एंड प्रेक्टिस फार ड्राफ्ट्स क्रेडिट (1974 रिजोल्व) इन्टरनेशनल बैंक ऑफ कामर्स द्वारा सं. 290" के अधीन है।

सीदा करने वाले बैंक को विशेष अनुदेश :

1. हमें संलग्न प्रपत्र के अनुसार (अपेक्षित दस्तावेजों के अंतर्गत अधिकारी) द्वारा जारी किये गये निष्पादन के तुरंत निष्पादन के पश्चात् इन क्रेडिट के अंतर्गत भुगतान हमें संलग्न गेट में निम्नलिखित भुगतान अनुसूची के अनुसार किये जाने चाहिए। आधिकारिक भुगतान के मामले में उपर्युक्त निष्पादन के विवरण के बजाय आधिकारी विवरण की आवश्यकता है।

2. उपर उल्लिखित ऋण समझौते के अंतर्गत जारी किए गए वचनपत्रों पत्र के उपर्युक्त के अनुसार विदेशी आर्थिक सहयोग निधि से अपने भुगतान के लिए प्रतिपूर्ति प्राप्त करने के साथ हम ड्राफ्टों की धनराशि का सीदा करने वाले बैंक द्वारा जारी किए गए अनुदेशों के अनुसार प्रेषित करने का वचन देते हैं।

3. उपर्युक्त मर 1 में जग उल्लिखित दस्तावेजों को एक प्रति और आप हमें जगही प्राप्ति के पुराने बच ही में दे देंगे।

4. इस साक्षात् के अंतर्गत बैंक के सभी खर्चे प्राचार्य/संचालकों के लेखों के लिए हैं।

भारतीय,
वाणिज्यिक बैंक
द्वारा -----
(प्राधिकृत हस्ताक्षर)

भुगतान अनुमती

यह भुगतान अनुमती हमारे वाणिज्य सं. ----- का एक अतिरिक्त अंग है।

1. प्रारम्भिक भुगतान

घनराशि ----- येन
कुल संविदा मूल्य का ----- प्रतिशत है।
अपेक्षित दस्तावेज : वाणिज्यिक का विवरण
अंतिम भुगतान तिथि :

2. नुमाना देना

सम्पूर्ण योग : घनराशि ----- येन
कुल संविदा का मूल्य ----- प्रतिशत
निम्नकार से भुगतान किया जाता है :--
देय घनराशि अंतिम भुगतान तिथि

पहली किस्त येन -----
दूसरी किस्त येन -----

अपेक्षित दस्तावेज : (जहाँ आवश्यक उनके समस्त प्राधिकारी) द्वारा जारी किए गए निष्पादन के विवरण की एक प्रति जिसका एक प्रत्यक्ष संलग्न है।

निष्पादन का विवरण
दिनांक
सम्बन्ध

सेवा में,

(पत्रिका का नाम और पता)

सम्बन्ध :- ऋण करार सं. ----- के अंतर्गत
परिचय से संबंधित ----- के नाम के
येन के लिए ----- द्वारा जारी किए गए
साक्ष्य की सं. ----- दिनांक -----

म अधोहस्ताक्षरी, प्रतिनिधि (ऋण) एतद्वारा -----
और ----- के बीच समझौता सं. -----
विनिर्देश ----- में लिखित भुगतान का शर्तों के अनुसार अनुसंधान
आवधिक सहायता निधि द्वारा ----- का घनराशि (-----
येन के बराबर) प्राप्त करने के लिए एतद्वारा
विवरण जारी करता हूँ।

(ऋण)
द्वारा -----
(प्राधिकृत हस्ताक्षर)

विशेष धनपत्र :-

वास्तविक निष्पादन का विवरण हमें संलग्न रूप में दर्शाया जाएगा

MINISTRY OF COMMERCE

(Import Trade Control)

PUBLIC NOTICE No. 79-ITC(PN)|88-91

New Delhi, the 24th November, 1988

Subject : Licensing Conditions for import of equipment/services under OECF Loan No. ID-P. 43 of Yen 26.101 Billion for Srisaillam Left Bank Power Station Project (Phase-I) of the Andhra Pradesh State Electricity Board (APSEB)—regarding.

F. No. IPC|23(50)|88-91.—The terms and conditions governing import of equipment/services under OECF Loan No. ID-P. 43 of Yen 26.101 Billion for Srisaillam Left Bank Power Station Project (Phase-I) of the Andhra Pradesh State Electricity Board (APSEB), as given in Appendix to this Public Notice are notified for information.

Sd/-

K. V. IRNIRAYA, Chief Controller
of Imports & Exports

Appendix to the Ministry of Commerce Public Notice
No. 79-ITC|PN|88-91 dt. 24-11-88.

LICENSING CONDITIONS IN RESPECT OF
IMPORT OF EQUIPMENT AND SERVICES
UNDER THE YEN CREDIT OF YEN 26.101
BILLION FOR IMPLEMENTATION OF THE
SRISAILLAM LEFT BANK POWER STATION
PROJECT (PHASE I) OF THE ANDHRA
PRADESH STATE ELECTRICITY BOARD
(A.P.S.E.B.) EXTENDED BY THE OVERSEAS
ECONOMIC COOPERATION FUND (OECF)
OF JAPAN.

Section I—General Conditions

I (i) The Yen Credit of 26.101 billion extended by the Overseas Economic Cooperation Fund of Japan (OECF) for financing the import requirements of the Srisaillam Left Bank Power Station Project (Phase I) of Andhra Pradesh State Electricity Board is united in favour of Japan and developing countries including India. Accordingly the goods and services to be procured under the credit can be procured from Japan and all countries (including India) enumerated in the list at Annexure-I which will be eligible source countries under the credit.

I (ii) Import Licence(s) under the Credit can be issued only for such items and for such value as have been specifically cleared by the DGTD|CG Committee. The value of import licence(s) issued under this credit should not exceed Yen 28.711 billion (CIF).

The rupee value of the import licence shall be determined with reference to the Exchange rate notified by the Department of Revenue (Customs) and prevailing on the date of issue of the import licence and indicated in the body of the import licence(s) as per para 2 of the Public Notice No. 78-ITC(PN)|74 dated the 6th June, 1974, issued by the CCI&E, which also enjoins that the Customs Authorities and the

authorised dealers in foreign exchange will make debts to the value of the licence(s) at the exchange rate specified on the import licence(s). The licence will bear the superscription "Japanese Yen Credit No. ID-P. 43". The first and second suffix to the licence code will be "SJC". This will also be repeated in the letter from CCI&E forwarding the import licence to West Bengal State Electricity Board which should be endorsed to the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, (Japan Section).

I (iii) Import licence(s) can be issued only in favour of Andhra Pradesh State Electricity Board on CIF basis.

I (iv) Depending on the convenience of importer more than one import licence may be issued under this credit, but the total value must not exceed Yen 28.711 billion (CIF) as specified at (ii) above.

I (v) The extension of the validity of the import licence may on application by importer, be granted upto a further period of 12 months. Any request for further extension/issue of fresh licence may be referred to the Department of Economic Affairs (Japan Section).

I (vi) Imports to be financed under the Credit are restricted to the list of goods and services attached to the import licence, duly attested by the licensing authorities.

I (vii) No remittance of foreign exchange will be permitted against the import licence. Any payment towards Indian Agent's commission should be made in Indian Rupees to the agents in India. Such payments, however, will form part of licence value and will, therefore, be charged to the licence.

I (viii) Firm order must be placed on FOB/C&F basis on the Overseas supplier located in the countries mentioned in Annexure-I and sent to the Department of Economic Affairs (Japan Section) within 4 months from the date of issue of the import licence. Insurance charges will be payable in India in Indian Rupees. "Firm Orders" means purchase orders placed by the Indian Licencee on the Overseas supplier duly signed by the letter of purchase contract duly signed by both the Indian Importer and the Overseas supplier. Orders on Indian Agents of overseas suppliers and/or order confirmation of such Indian Agents are not acceptable.

I (ix) This condition of the placement of contracts within 4 months period will be treated as not having been complied with unless complete contract documents reach the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs (Japan Section) within four months from the date of issue of the import licence. If firm orders as explained in para I(viii) above cannot be placed within four months for valid reasons, the licensee should submit the import licence to the concerned licensing authorities giving reasons why ordering could not be completed within four months. Such requests for extension in the ordering period will be considered on merit by the licensing authorities who may grant extension upto a further maximum period of 4 months. If, however, extension is sought beyond 8 months from the date of issue of the import licence

such proposals will invariably be referred by the Licensing authorities to the Department of Economic Affairs, (Japan Section), Ministry of Finance, North Block, New Delhi, who will consider such extension on the merits of each case and communicate their decision to the licensing authorities for communication to the licensee. Only on production by the licensee of a letter from the licensing authorities sanctioning such extension will be authorised dealers and department authorities per permit the facility of letter of authority for the establishment of letter of credit, acceptance of deposits of the rupee equivalent, etc. in respect of supply contracts entered into under the import licence.

I (x) All payments must be completed within 4 months from the expiry of the import licence. Individual payments must be arranged upon shipment of goods. The contract should provide for payment on cash basis i.e. on presentation of shipping documents. No credit facility of any kind will be permitted to be availed of by the Indian importer from the overseas supplier.

The contract should provide for the period of delivery of goods as follows :

".....Months after the receipt of Letter of Credit but to be completed latest by the end of.....".

In fixing the terminal date for shipment is should be noted that this date should not be beyond 31-12-1992.

Section II : Special points to be kept in view while negotiating a supply contract.

II (i) The FOB/C&F value of the contract should be expressed in Yen (Fraction of Yen should be omitted) and should exclude Indian Agents commission, if any, which should be paid in Indian rupees.

In no circumstances the contract value should be expressed in Indian rupees or in any other currency. The purchase order and the supplier's order confirmation should be in English only.

II (ii) Procurement of all goods and services to be financed out of the proceeds of the loan shall be made in accordance with the guidelines for procurement under the loan with the following supplemental stipulations :—

(a) In case of procurement of goods and services of value estimated to be not less than 500 million Yen.

(i) Prior approval of OECF shall be obtained if it is proposed to adopt procurement procedure other than the Open International Tendering with Prequalification, submitting to OECF an application for approval of procurement method.

(ii) Prior to issuing a notice of award to successful bidder, the application for approval of award with bid evaluation report, shall be submitted to OECF for

approval. Alongwith the above application for approval of award and bid evaluation, the evaluation report of pre-qualification, notices and instructions to bidders, bid form, proposed contract, specification and drawings and other documents related to bidding will also be submitted to OECF for its review.

- (b) In case of procurement of goods and services of value estimated to be less than Yen 500 million prior approval of OECF is not required for award of contract on the condition that tenders lots are divided reasonably. However, if OECF requests, the tender evaluation reports etc. will be submitted to OECF for its review.

- (c) Consultants shall be employed in accordance with OECF Guidelines for Employment of Consultants. But prior approval of OECF shall be obtained to the following documents :—

- (1) Terms of Reference
- (2) Short List of Consultants
- (3) Letter of Invitation
- (4) Evaluation Report including Summary Evaluation Sheet.

- (d) The application/documents mentioned in (a)(i), (a)(ii), (b) and (c) above will be submitted by the imported to Department of E.A., in duplicate, for submission to OECF.

II (iii) The payment to the overseas supplier should be arranged through an irrevocable letter of credit to be opened by the Bank of India, Tokyo in their favour under the OECF Yen Credit (Project Aid) No. ID-P. 43 for 1987-88 the details of which are given in Section VII below.

II (iv) Only one contract should be entered into against the import licence. In exceptional cases, more than one contract may be permitted to be entered into, for which prior approval of the Department of Economic Affairs (Japan Section), Ministry of Finance, should be obtained soon after the date of issue of the import licence.

II (v) Eligibility of Supplier.—The supplier shall be nationals of the eligible source countries, or juridical persons incorporated and registered in eligible source countries and controlled by nationals of the eligible source countries.

II (vi) Permissible imports from non-eligible source countries.—Financing of goods which contain materials originating from a non-eligible source country or

countries may be made, provided that the imported portion is less than fifty per cent (50 per cent) of the price per unit of such products in accordance with the following formulae :

$$\frac{\text{IMPORTED CIF PRICE} + \text{IMPORT DUTY}}{\text{SUPPLIER'S FOB PRICE}} \times 100$$

(In case of Indian Supplier, Ex-factory price shall be adopted).

II (vii) Declaration in Contract.—The following declaration as to the eligibility of the goods and supplier, signed and dated by the supplier, shall be added to each contract.

"I, the undersigned, hereby certify that the goods to be supplied are produced in ——— (name of eligible source country)."

I, the undersigned, further certify that to the best of my information and belief, the portion imported from the non-eligible source countries is less than thirty per cent (30 per cent) in accordance with the following formula :

$$\frac{\text{IMPORTED CIF PRICE} + \text{IMPORT DUTY}}{\text{SUPPLIER'S FOB PRICE}} \times 100$$

(Where applicable Ex-factory price)

"I, the undersigned, hereby certify that ——— (Name of company) has been incorporated and registered in ——— (Name of eligible source country), and is controlled by nationals of ——— (name of eligible source countries concerned)."

Section III : Conditions to be incorporated in the supply contracts.

III (i) The following provisions should be specifically embodied in the supply contract :

- (a) The contract is arranged in accordance with the Loan Agreement between the Government of India and the Overseas Economic Cooperation Fund of Japan (OECF) dated the 10th February, 1988 concerning the Yen Credit No. ID-P (Project Aid) for Srisaïlam Left Bank Power Station Project (Phase I).
- (b) Payments to the Supplier shall be made through an irrevocable letter of Credit to be issued by the Bank of India, Tokyo, under the Loan Agreement No. ID-P. 43 dated 10th February, 1988 between the Government of India and the Overseas Economic Cooperation Fund of Japan (OECF).
- (c) The suppliers agree to furnish such information and documents as may be required under the Yen Credit arrangements by the Government of India on the one hand and the OECF on the other.

- (d) Certificates (triplicate) in the forms indicated in II (vii) above.
- (e) In case the supplier is located in Japan, the supply contract should contain a clause that the Japanese Supplier agrees to make shipping arrangements in consultation with the Embassy of India, Tokyo and that for this purpose he would keep the Embassy of India, Tokyo, informed of the delivery schedule of the goods involved and notify the Embassy of India atleast six weeks in advance of the shipping required so that suitable arrangements could be made. In exceptional cases, where the Indian Importers require it, this period of notice may be reduced. The Japanese supplier should also agree to send a cable advice to the importer after each shipment giving the necessary details and a copy thereof should be sent to the embassy of India, Tokyo.

Section IV : Review of Contract by OECF.

IV (i) Within stipulated period for placement of firm orders the licensee should forward 4 copies of the contract duly signed by both the importer and the supplier supported by order confirmation in writing by the supplier of their photocopies complete in all respects, together with two photocopies of the relevant and valid import licence and two copies of the "Request for issue of L.A." in the form in Annexure II to the Department of Economic Affairs.

IV (ii) The above procedure will also apply to all contract amendment causing essential modifications to the contents of the contracts or in its price.

IV (iii) The Ministry of Finance (Department of E.A.) will send Notice of conclusion of Contract alongwith a copy of the contract to OECF for its review. A copy each of the Notice will also be sent by Department of E.A. to Embassy of India, Tokyo and Office of CAA&A alongwith one copy each of "Request for issue of L.A." and photocopy of import licence.

Section V : Payment to the Overseas suppliers—Letter of Credit Procedure.

V (i) On receipt of the Notice of Conclusion of contract and contract document from the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, The CAA&A will issue a letter of authorisation as in the form attached as Annexure-III addressed to the Tokyo Branch of the Bank of India for opening an irrevocable Letter of Credit as in the form attached at Annexure-IV (for imports) or Annexure-V (for services) in favour of the overseas supplier concerned. Copies of the Letter of Authorisation will be endorsed to the OECF, the Embassy of India, Tokyo, the importer's Bank in India, and Japan Section, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance.

V (ii) On receipt of the letter of authority, the Bank of India, Tokyo, will establish an irrevocable letter of credit as per Annexure-IV (applicable to imports) or V (applicable to services) in favour of

the Overseas Suppliers concerned and will also forward a copy of the same to the OECF, Embassy of India, Tokyo, the importer's bank of India and the CAA&A.

The above procedure of opening of letters of credit on the basis of the letters of authority from CAA&A would ipso facto apply to all such amendments to letter of authorisation/letter of credit as may become necessary due to contract amendment or otherwise.

V (iii) The overseas supplier shall, after effecting shipment of goods, present through his bankers the documents specified in the letter of credit to the Bank of India, Tokyo who will release the amount specified in the documents to the overseas supplier through his bankers and will thereafter obtain reimbursement of the said amount from the OECF.

V (iv) Banking charges payable to the Bank of India, Tokyo for opening the letter of credit, for negotiations there-under and charges if any of overseas suppliers' bankers are to be borne by the importer/overseas suppliers. A letter of commitment will be issued by the OECF on receipt of an amount equal to one-tenth per cent (0.1 per cent) of the contract value. This amount will be paid to itself from the loan/funds by OECF.

The importer is required to deposit into the Government of India account the rupee equivalent of this letter of commitment charges on receipt of intimation of the payment from OECF or from the Controller of Aid Accounts, Ministry of Finance. Interest from the date of payment to OECF to the date of rupee deposit (both dates inclusive) at prevailing rates will also have to be paid by the importer.

A similar charge of 0.1 per cent is payable by the importer under the reimbursement procedure also. Interest charges payable to the Bank of India, Tokyo for the period counting from the date of payment of the cost of imports by them to the overseas suppliers to the date of reimbursement by the OECF, shall be settled by the concerned importers Bank of India by remittance to the Bank of India, Tokyo through normal banking channels without affecting the Government of India's account.

V (v) Reimbursement Procedure.—Procedure for disbursement of the proceeds of the loan for the purchase of goods and services from Indian Suppliers shall be in accordance with REIMBURSEMENT PROCEDURE attached to the loan agreement.

Section VI : Responsibility for rupee deposit.

VI (i) The Bank of India, Tokyo will forward the negotiable shipping documents to the accord bankers of importer as indicated in the Appendix to the relevant Letter of Authority and the bankers will in turn ensure that the rupee deposits are invariably made at RBI, New Delhi or S.B.I., Tis Hazari, Delhi before releasing the shipping documents. Interest charges on the rupee equivalents of the Yen payments calculated at the rate prevailing from time to time, the present rate being 12 per cent per annum for the first 30 days and @ 19 per cent per annum for the period

in excess the thereof reckoned from the date of payment by the Bank of India, Tokyo to the Overseas Supplier to the date of actual rupee deposit, have also to be deposited alongwith the principal payment, in terms of Public Notice No. 31-ITC(PN)|83 dated 10-8-1983. It should be noted that interest is chargeable for both the days i.e. the day on which payment is made to the Overseas Supplier and also the day on which rupee deposit is made in Government Account vide Public Notice No. 74-ITC(PN)|74 dated 31-5-1974 as modified under Public Notice No. 103-ITC(PN)|76 dated 12-10-1976 and Public Notice No. 31-ITC(PN)|83 dated 10-8-1983.

The importer should make separate arrangements to ascertain the amounts and dates of payments made to the supplier. Late or delayed receipt of shipping etc. documents by the importers Banker from Bank of India, Tokyo will not be acceptable as reason for waiver of partial or full amount of the interest due on the rupee deposits.

The exchange rate to be adopted for computing the rupee equivalent of the Yen payments made to the overseas suppliers will be the composite rate of exchange applicable to the date of payment which will be worked out in accordance with the method prescribed in Public Notice No. 109-ITC(PN)|74 dated 3-8-1974 and 8-ITC(PN)|76 dated 17-1-1976 or as may be notified by Government from time to time through Public Notices of the CCI&E or through Exchange Control Circulars of the Reserve Bank of India.

Any change in this regard as also in regard to the rate of interest will be notified as and when necessary. It will be the responsibility of the Indian Bank concerned to ensure that the amount due are correctly deposited into Government account before the import documents are handed over to the importers. The importers should also ensure that the amounts due are correctly deposited into Government account before taking delivery of the documents from their Bankers. It is the responsibility of the importer to ensure that the amount due are correctly deposited into the Government account promptly even when they obtain delivery of the goods from the customs authorities without original shipping documents under exceptional circumstances. In case the importers fail to deposit the amounts due to Government before taking delivery of the goods, the issue of further LAs to him may be stopped and the matter reported to the CCI&E so that no further import licence is issued to such an importer. The Head of Account to which the above rupee deposits should be credited is "K-Deposits and Advances-843—Civil Deposit—Deposits for purchase etc. abroad—Purchase under credits/Loan Agreements" Loans from the Government of Japan-26,101 Billion yen credit No. ID-P, 4 for the Srilankam Left Bank Power Station Project Phase (I).

VI (ii) The amount referred to above should be deposited in cash to the credit of the Government either in the Reserve Bank of India, New Delhi indicating Code No. 5130000009 on the right hand corner of the challan of or State Bank of India, Tis Hazari, Delhi as contemplated in Public Notices No.

184-ITC(PN)|68 dated 30-8-1968, No. 233-ITC(PN)|68 dated 24-10-1968, No. 132-ITC(PN)|71 dated 5-10-1971, No. 74-ITC(PN)|74 dated 31-5-1974 and No. 103-ITC(PN)|76 dated 12-10-76.

VI (iii) The concerned Bank in India shall also furnish such additional deposit in the same manner stipulated above as may be requested by the Government of India, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, on account of service charges within seven days after such a demand is made by Ministry of Finance (Department of Economic Affairs) while filling in the various columns in the challan it should be ensured by the importers/their bankers that the information prescribed in para 2 of Public Notice No. 132-ITC(PN)|71 dated 5-10-1971 is invariably indicated in the column "full particulars of remittances and authority (if any)" of the challan. The following particulars should invariably be furnished in the treasury challans :—

- (a) Ministry of Finance letter of authority No. and date.
- (b) Amount of yen currency in respect of which deposits are to be made together with rate of conversion adopted.
- (c) Date of payment to the overseas supplier.

Thereafter the Treasury Challans evidencing the rupee deposit should be sent by registered post to the CAA&A indicating reference to the letter of authorisation issued by him and also enclosing copies of the invoice and shipping documents.

Note :—Importer's Bank in India should ensure that the rupee deposits are invariably made within 10 days of the receipt of the advice of payments and negotiable shipping documents from the Bank of India, Tokyo and that the CAA&A Ministry of Finance (DEA), New Delhi is kept informed of the fact immediately thereafter.

VI (iv) The concerned bank in India should also endorse the amount of rupee deposits on the exchange control copy of the licence and send the requisite "S" Form to the Reserve Bank of India, Bombay.

Section—VII Miscellaneous Provisions

VII (i) Reports on utilisation of the import licence.—The importer should send a monthly report, after the letter of credit has been opened regarding shipments and payments made there against and about the balance left, to the Controller of Aid Accounts & Audit, UCO Bank Building, Parliament Street, New Delhi.

VII (ii) Notifying Suppliers of Special Conditions.—The licences should apprise the supplier of any special provisions in the import licence which may affect the suppliers in carrying out the transaction.

VII (iii) Disputes.—It should be understood that the Government of India will not undertake any responsibility for disputes, if any, that may arise between the licensee and the suppliers. The conditions to be

fulfilled by the supplier before payment by the Bank of India, Tokyo must be clearly spelt out by the importer in Annexure-II under "Terms of Payment". Provisions dealing with settlement of disputes should be included in the conditions of contract.

VII (iv) Future Instructions.—The licences shall promptly comply with any directions, instructions of orders issued by the Government of India from time to time regarding any and all matter arising from or pertaining to the import licence and for meeting all obligations under the Yen Credit Agreement (Project Aid) No. ID-P.43 with the Overseas Economic Co-operation Fund of Japan (OECF).

VII (v) Breach or violation.—Any breach or violation of the conditions set forth in the above clauses will result in appropriate action under the Imports and Exports (Control) Act.

VII (vi) List of Annexures.

Annexure.—I List of eligible source countries.

Annexure.—II Request for issue of Letter of Authority.

Annexure.—III Form of Letter of Authority.

Annexure.—IV Form of Letter of Credit (Applicable to imports).

Annexure.—V Form of Letter of Credit (Applicable to Services).

LIST OF ELIGIBLE SOURCE COUNTRIES

A. Developing Countries and Territories

(a1) Non-OPEC Developing Countries

I. AFRICA, North of Sahara

Egypt
Morocco
Tunisia

II. AFRICA, South of Sahara

Angola
Benin
Botswana
Burundi
Cameroon
Cape Verde Islands
Central African Rep.
Chad
Comoro Islands
Congo, People's Republic of Dahomey
Equatorial Guinea (1)
Ethiopia
Gambia

(1) Formerly the territory of Spanish Guinea, including the island of Fernando PO.

Ghana
Guinea
Ivory Coast
Kenya
Lesotho
Liberia
Malagasy Republic
Malawi
Mali
Mauritania Mauritius
Mozambique
Niger
Portuguese Guinea
Reunion
Rhodesia
Rwanda
St. Helena and dep (2)
Sao Tomo and Principe
Senegal
Seychelles
Sierra Leone
Somalia
Sudan
Swaziland
Togo, Afars and Issas
Togo
Uganda
U. Rep. of Tanzania
Upper Volta
Zaire Republic
Zambia

III AMERICA, North and Cent.

Bahamas
Barbados
Belize
Bermuda
Costa Rica
Cuba
Dominican Republic
El Salvador
Guadeloupe
Guatemala
Haiti
Honduras
Jamaica
Martinique
Mexico
Netherlands Antilles
Nicaragua
Panama
St. Pierre & Miquelon
Trinidad and Tobago

(2) Including the following islands: Ascension, Tristan da Inaccessibles, Nightingale, Gough.

(3) Main islands, Aruba, Bonaire, Curacao, Saba.

III. AMERICA, North & Central West Indies (Br.) n.l.e.

(a) Associated States (1)

(b) Dependencies (2)

IV. AMERICA, South

Argentina

Bolivia

Brazil

Chile

Colombia

Falkland Islands

French Guiana

Guyana

Paraguay

Peru

Surinam

Uruguay

V. ASIA, Middle East

Baharain

Israel

Jordan

Lebanon

Oman

Syrian Arab Republic

United Arab Emirates (3)

Yemen Arab Republic

Yemen, People's D.R. (4)

VI. ASIA, South

Afghanistan

Bangladesh

Bhutan

Burma

India

Maldivis

Nepal

Pakistan

Sri Lanka

VII. ASIA, Far East

Brunei

Hong Kong

Khmer Republic

Korea, Republic of

Laos

Macao

Malaysia

1. Main Islands : Antique, Dominica, Grenada, St. Kitts (St. Caristophe), Nevis-Anguilla, St. Lucia and St. Vincent).

2. Main Islands : Montserrat, Cayman, Turks and Caicos and British Virgin Islands.

3. Ajman, Dubai, Fugairah, Ras al Khaimah, Sharjah and Umm al Quaiwain.

4. Including Aden and various sultantes and emirates.

Philippines

Singapore

Taiwan

Thailand

Timor

Viet-Nam, Rep. of

Viet-Nam, Dem. Rep.

VIII. OCEANIA

Cook Islands

Fiji

Gilbert & Sellice Is.

French Polynesia (5)

Nauru

New Calendonina

New Hebrices (Br. and Fr.)

Niue

Pacific Islands (US) (6)

Papua New Guinea

Solomon Islands (Br.)

Tonga

Wallis and Mutuna

Western Samoa

IX. EUROPE

Cyprus

Gibraltar

Greece

Malta

Spain

Turkey

Yugoslavia

(a2) Member of Association Countries of OPEC

Algeria

Bolivia

Libyan Arab Republic

Gabon

Nigeria

Ecuador

Venezuela

Iran

Iraq

Kuwait

Qatar

Saudi Arabia

Abu Dhabi

Indonesia

5. Comprising the Society Islands (including Tahiti) The Austral Islands, the Tuamotu-Gambler Group and the Marquesas Islands.

6. Trust Territory of the Pacific Islands : Caroline Islands Marshall Islands, and Marine Islands (except (Guam)).

ANNEXURE II

REQUEST FOR ISSUE OF THE LETTER OF AUTHORITY

No.

Date :

To,

The Controller of Aid Accounts & Audit,
Ministry of Finance,
Department of Economic Affairs,
UCO Bank Building, 1st Floor,
Parliament Street,
New Delhi-110001.

Sub : Import of _____ from _____
under the Yen Credit No. ID-P _____
(Project Aid for 1977)

Sir,

In connection with the import _____ from _____ under the above mentioned Yen Credit No. ID-P _____ (Project Aid) we furnish the following particulars to enable you to issue the Letter of Authority to the _____ (name of the Bank) which should be the same as given in (P) below for opening a letter of credit in favour of the overseas supplier concerned.

- (a) Name and Address of the Indian importer.
- (b) Number, date and value of the import licence and date upto which it is valid.
- (c) Method of procurement—whether it is based on direct purchase or formal Open International tendering in which case it should be indicated whether the contract has been awarded on the basis of technically suitable offer with reasons, if any.
- (d) Brief description of the goods.
- (e) Origin of the goods.
- (f) Percentage of the import components from non-eligible source countries, if any.
- (g) Gross FOB/C&F value of contract (in Yen).
- (h) Amount of Indian agents commission (in Yen, if any).
- (i) Net FOB/C&F value (in Yen) for which the letter of Authority is required
- (j) Number and date of the contract with overseas suppliers.
- (k) Name and address of the Overseas Supplier.
- (l) Payment terms and probable dates on which payments under the contract will fall due.
- (m) Expected date of completion of deliveries.
- (n) Documents to be presented at the time of payment to Bank of India, Tokyo (indicating No. of sets of each and their disposal).
- (o) Shipment instructions (indicate if transshipment/part-shipment permitted or not permitted).
- (p) Name and address of the importer's bank in India

(q) Whether a contract(s) under the same licence has been placed and notified to the Japanese authorities, and if so, the No., date and value of each such contract and the reference of the Ministry of Finance under which it has been notified to the OECF.

(r) Whether the banking charges payable to Bank of India, Tokyo for operation and maintenance of Letter of Credit are to be borne by the Importers or Supplier

(s) Undertaking by the importer :—

"We hereby undertake to make full and correct deposit of the rupee equivalent etc. of the payment made to the foreign supplier in the manner and at the rate prescribed by Government. The deposit will be made promptly before taking delivery of each consignment of the goods (material imported). In case of payments for services of foreign nationals the deposits will be made as soon as the relevant invoices of the foreign suppliers are approved by us and the payments made to the suppliers".

ANNEXURE-III

(Letter of Authority Form)

No. F.

GOVERNMENT OF INDIA

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

New Delhi, the

To

The Bank of India,
Tokyo Branch,
Tokyo (Japan)

Subject : Import under yen Credit (Project Aid)
Loan Agreement No. ID-P _____ Issue of
Letter of Authority for opening Letter of
Credit.

Dear Sirs,

In accordance with the terms and conditions of the agreement dated 25.3.80 entered into with your Bank, you are hereby authorised to open irrevocable Letter of Credit for an amount not exceeding Yen _____ favouring M/s. _____ as per attached details.

2. A copy each of the letter of credit opened by your Bank may be endorsed to the importer's Bank to the OECF Embassy of India Tokyo and to us.

3. Payments to the suppliers in terms of the letter of credit will be made initially out of your own funds. After payments, you must claim immediately reimbursements of the amounts paid by furnishing necessary documents to the OECF.

4. On making payment to the foreign supplier you should send to _____ (Name and address of the importers' Bankers) the original shipping documents (negotiable) as well as additional complete set of the documents and a copy of the debit advice for the payments made to the supplier including the down payment if any.

5. Interest charges payable to you for the time lag between the date of payment by you to the supplier and the date of its reimbursement to you by the OECF, shall be settled by you with the concerned Importers bank in India through normal banking channels without affecting the Government of India's account. The other banking charges including those on account of opening maintenance and for the operation of the Letter of Credit as also those connected with handling negotiating documents and charges of overseas suppliers banking if any, are to be borne by the overseas Supplier/Importer and may, therefore, be recovered from the Supplier/Importer directly. No reimbursement of such charges is to be claimed from the OECF.

6. As and when payment is made by you and reimbursement is made to you, an advice in the prescribed form should be sent to this Ministry.

7. This Letter of Authority is intended for opening of L/C favouring the overseas suppliers. Subsequent amendments to L/C or further fresh L/Cs against this authorisation may not be acted upon in the absence of a specific authority from this Ministry.

8. This Letter of Authority will remain valid up to _____.

9. Please quote the number given at the top of this letter of instructions in all correspondence relating to the contract and also in the advice showing payment

Yours faithfully,
(Accounts Officer)

Copy forwarded to :—

1. Importer—_____ with reference to their letter No. _____ dated _____.

They are requested to arrange to deposit through their Bankers, the rupee deposits etc. at the prescribed rate and manner, before taking delivery of the negotiable documents from the Bankers. In case due to exceptional circumstances delivery of goods is obtained directly from the Customs and Port authorities without furnishing the original shipping documents, the deposits should be made before taking the delivery. In the case of payments for services rendered by foreign nationals, the deposits should be made as soon as the relevant invoices are approved for payment. Failure to make the deposits promptly and correctly may entail action as mentioned in the Licensing Conditions.

2.(i) Importers' Banker . . . This has reference to import Licence No. _____ dt. _____. This letter of authorisation issued under the relevant licensing conditions governing the imports under Yen credit. The licensing conditions and connected Public Notice

order etc. may be referred to and appropriate action taken concerning the import/foreign payments.

2. (ii) They are requested to arrange to deposit the rupee equivalent of the Yen payment to the overseas suppliers on receipt of documents from the Bank of India, Tokyo Branch. The rupee equivalent of amounts disbursed to the suppliers will have to be calculated by applying the composite rate of conversion as prevailing on the date of payment to overseas suppliers in accordance with the Public Notice No. 8-ITC(PN)/76 dated 17-1-1976 date or such other Public Notices as may be issued from time to time. Interest @ 12 per cent per annum for the first thirty days and at the rate of 18 per cent per annum for period to excess thereof reckoned for the period between the date of payment to the supplier/ date of reimbursements to Bank of India and the date on which the rupee equivalents are deposited into the Government Account is also required to be deposited into the Government of India Account in terms of Public Notice No. 31-ITC(PN)/83 dated 10-8-1983. The interest is payable for both the days i.e. the day on which payment is made to the Overseas Suppliers and also the date on which rupee deposits is made into Government Account. (Any change in this rate will be intimated if and when made.) It should be ensured that these deposits are made before the original set of import documents are handed over to the importer for Customs clearance.

These amounts should be deposited either with the RBI, New Delhi indicating Code No. 5130000009 on the right hand corner of the challan or the SBI, Tis Hazari, Delhi. In this connection, their attention is also invited to the provisions of the Public Notices No. 184-ITO(PN)/68 dated 30-8-68 233-ITC(PN)/68 dated 24-10-1968, 132-ITC(PN)/71 dated 5-10-1971, No. 74-ITC(PN)/74 dated 31-5-1974 and No. 103-ITC(PN)/76 dated 12-10-1976. The head of account to be credited is "K-Deposits & Advances-843-Civil Deposits-Deposit for purchases etc. abroad under Purchases under Credit/Loan Agreements"—Loans from the Government of Japan—billion Yen Credit (Project Aid) No. IDP—_____ for 1988.

One copy of the challan in original, in cases where the rupee equivalents are credited in cash at the RBI, New Delhi, or the SBI, Tis Hazari, Delhi as prescribed in Public Notice No. 132-ITC(PN)/71 dated 5-10-1971, should be sent by them to the address given below alongwith a forwarding letter giving full details of the advice notes received from the Bank of India, Tokyo Branch.

The Controller of Aid Accounts & Audit, Ministry of Finance (Department of Economic Affairs), 1st Floor UCO Bank Building, Parliament Street, New Delhi-1.

In cases where the rupee equivalents are remitted by means of demand drafts as laid down in Public Notice No. 132-ITC(PN)/71 dated 5-10-1971, intimations thereof should be sent to the address given above. In all cases full particulars of the rupee equivalents deposited should be furnished to this Department.

Interest charges payable to the Bank of India, Tokyo for the time lag between the date of payment to the

supplier and the date of its reimbursement to the Bank of India, Tokyo by the OECF shall be settled directly by you with the Bank of India, Tokyo through normal banking channels without affecting the Government of India's account.

3. The Director, Loan Department-II, Overseas Economic Cooperation Fund, Takebashi Gode Building, 4-1 Ohtemachi 1-Chome, Chiyoda-Ku, Tokyo 100, Japan.

4. Embassy of India, Tokyo.

5. The under Secretary, Japan Section, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, New Delhi.

Accounts Officer.

ANNEXURE-IV

Form OECF-LC I

Irrevocable Letter of Credit

(Applicable for goods)

Date:

To ----- This letter of Credit has been issued pursuant to Loan Agreement No. ----- Dated ----- between (Borrower) and THE OVERSEAS ECONOMIC COOPERATION FUND.

Dear Sirs,

We advise you that we have opened our irrevocable credit No. ----- in your favour for account of ----- for a sum of sums not exceeding an aggregate amount of Yen ----- (Say yen -----) available by your drafts at sight for full invoice value drawn on us, to be accompanied by the following documents:

Signed commercial invoice in full asset of clean on board ocean bills of lading made out to order and blank endorsed and marked "Freight and Notify" other documents.

Evidencing shipment of (brief description of goods to be shipped evidencing shipment

shipped referring to Contract No. ----- (if any) from ----- to ----- Partial shipments are permitted. Transshipment is ----- permitted.

Bills of Lading must be dated not later than -----

Drafts must be presented for negotiation not later than -----

All Drafts and documents under this credit must be marked

"Drawn under ----- irrevocable credit No. ----- and dated ----- and Import Reference No.(s) ----- (if any)

This credit is not transferable.

We hereby undertake that all drafts drawn under and in compliance with the terms of the credit shall be duly honoured on due presentations and delivery of documents to the drawee.

Unless otherwise expressly stated, this credit is subject to "Uniform Customs and Practice for Documentary Credits (1974 Revision), International Chamber of Commerce Brochure No. 290".

Special Instructions to the negotiating bank.

1. After obtaining the reimbursement for our payments from THE OVERSEAS ECONOMIC COOPERATION FUND in accordance with the provisions of the Letter of Commitment issued thereby under the above mentioned Loan Agreement, we undertake to remit the amount of the drafts in accordance with instructions issued by the negotiating bank.

2. The negotiating bank must forward the drafts and the complete set of documents to us together with the certificate stating that the remaining documents have been airmailed direct to -----

3. All banking charges under this credit are for the account of importer/supplier.

Yours faithfully,

(a commercial bank)

By -----
Authorised signature)

PAYMENT TERMS

This payment terms constitutes an integral part of our Letter of Credit No. -----

I. Initial Payment

Amount : Yen -----
being ----- % of the total contract price.

Required documents :

Latest presentation date :

II. Intermediate Payment (if any)

Amount : Yen -----
being ----- % of the total contract price.

Required documents :

Latest presentation date :

III. Payment against Shipping Documents

Amount : Yen -----
being ----- % of the total contract price.

Note : This attached sheet is not required in case of full payment against shipping documents.

ANNEXURE-V

Form OECF-LC II

Irrevocable Letter of Credit

(Applicable for Services)

Date :

To -----

(Name and address of the supplier)

This Letter of Credit has been issued pursuant to Loan Agreement No. ----- dated -----, between Borrower) and the OVERSEAS ECONOMIC COOPERATION FUND.

Dear Sirs,

We advise you that we have opened our irrevocable credit No. ----- in your favour for account of for a sum or

sums not exceeding an aggregate amount of Yen -----
(Say Yen -----) available by beneficiary's drafts at sight for full Statement value drawn on us.

To be accompanied by the required documents, in accordance with the Payment Schedule attached hereto, concerning (Contract No. ----- with regard to ----- Project). Drafts must be presented for negotiation for later than -----

All drafts and documents must be marked "Drawn under irrevocable credit No. -----"

This credit is not transferable.

We hereby undertake that all drafts drawn under and in compliance with the terms of the credit shall be duly honoured on due presentation and delivery of documents to the drawee.

Unless otherwise expressly stated, this credit is subject to "Uniform Customs and Practice for Documentary Credits (1974 Revision), International Chamber of Commerce Brochure No. 290".

Special instructions to the negotiating bank :

1. After receipt of the original Statement of Performance issued by (Borrower or its designated authority) in accordance with the form attached hereto, payment(s) under this credit must be made in accordance with the Payment Schedule stipulated in the sheet attached hereto. In case of the initial payments the beneficiary's Statement is required instead of the above mentioned Statement of Performance.

2. After obtaining the reimbursement for our Payment from the OVERSEAS ECONOMIC COOPERATION FUND in accordance with the provisions of the Letter of Commitment issued thereby under the above-mentioned Loan Agreement, we undertake to remit the amount of the drafts in accordance with the instructions issued by the negotiating bank.

3. A copy of the documents as mentioned in item 1 above and the drafts shall be sent to us immediately after the receipt thereof.

4. All banking charges under this credit are for the account of the importer/supplier.

Yours faithfully,

(a commercial bank)

By: -----
(Authorized Signature)

PAYMENT SCHEDULE

This payment schedule constitutes an integral part of our Letter of Credit No. -----

I. Initial Payment

Amount : Yen -----

being ----- % of the total contract price

Required documents :

beneficiary's Statement Latest presentation date : -----

II. Progress Payment

Aggregate amount : Yen -----

being ----- % of the total contract price to be paid as follows :

Amount due Latest presentation -----

Yen -----

1st Instalment :

Yen -----

2nd Instalment : -----

Required documents :

A copy of State of Performance issued by (Borrower or its designation authority), a form of which is attached hereto.

Statement of Performance

Date : -----

Ref. No. -----

To -----

(Name and address of the supplier)

Re : Letter of Credit No. -----, dated issued by ----- for Yen ----- in favour of ----- concerning ----- Project under Loan Agreement No. -----

I, the undersigned, representing (Borrower), hereby issue a Statement of Performance to entitle ----- to receive the sum of Yen ----- (Yen ----- only) from THE OVERSEAS ECONOMIC COOPERATION FUND in accordance with the payment Terms stipulated in the Contract No. -----, dated ----- between ----- and -----

(Borrower)

By: -----
(Authorized Signature)

Special Instructions :

The details of the actual performance shall be stated in the sheet attached hereto.

